bjpkamaljyoti@gmail.com www.up.bjp.org संवत 2081 युगाब्द 5126 कुल पृष्ठ–32, फरवरी द्वितीय अंक 2025, वर्ष–36 : अंक–14

वर्तमान

कमल ज्योति

₹20

विश्व सामाजिक न्याय दिवस पर आयोजित
सामाजिक न्याय संगोष्ठी

सुराज की विचार यात्रा
वर्तमान कमल ज्योति

वर्तमान कमल ज्योति

संरक्षक
श्री भूपेन्द्र सिंह
सम्पादक
अरुण कान्त त्रिपाठी
प्रबन्ध/कार्यकारी सम्पादक
राजकुमार
प्रकाशक
प्रो0 श्याम नन्दन सिंह
पृष्ठ संयोजक
ओम प्रकाश पंडित

कार्यालय

कमल ज्योति, 7–विधानसभा मार्ग
लखनऊ – 1
फोन :– 0522–2200187
फैक्स :– 0522–2612437

Email-
bjpkamaljyoti@gmail.com

पत्रिका में प्रकाशित आलेखों से सम्पादकीय सहमति अनिवार्य नहीं

मुद्रक

नूतन ऑफसेट मुद्रण केन्द्र,
राजेन्द्र नगर, लखनऊ–4

www.up.bjp.org
bjpkamaljyoti
Vartman Kamaljyoti
@bjpkamaljyoti

सर्वे भवन्तु सुखिनः

सम्पादकीय

मोदी की अमेरिकी यात्रा....

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दो दिवसीय अमेरिका यात्रा संपन्न हो चुकी है। प्रधानमंत्री मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति की मित्रता किसी से छिपी नही है जो ताकतें अमेरिका में बैठकर भारत विरोधी गतिविधियों का संचालन करते रहे है। उनके मन में भय व्याप्त है। दूसरे नंबर पर पाकिस्तान है जहां भारत विरोधी आतंकवादी गतिविधियां बेधड़क संचालित हो रही हैं वे भी मोदी – ट्रम्प के मिलने से जो व्यक्तिगत रूप से घबरा रहे है वो बांग्लादेश का नया तानाशाह मोहम्मद यूनुस है, वो भी घबरा रहे हैं। जिसके शासनकाल में अल्पसंख्यक हिंदुओं तथा राजननैतिक विरोधियों पर घोर अत्याचार हो रहा है। बांग्लादेश का भाग्य अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर छोड़ दिया है।

नरेन्द्र मोदी की इस अमेरिका यात्रा ने भारत और अमेरिका आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई के लिए एकजुट किया जिसका उल्लेख संयुक्त पत्रकार वार्ता में किया गया जिसमें पाकिस्तान,जैश–ए–मोहम्मद और लश्कर–ए–तैयबा जेसे खतरनाक आतंकवादी संगठनों का नाम भी लिया गया। यह इसलिए महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि पूर्ववर्ती बाइडेन प्रशासन ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में बहुत ही ढुलमुल रवैया अपनाया था। जिसको चीन का सदैव समर्थन रहा।

मोदी की यात्रा का एक अप्रत्याशित क्षण वह था जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने गर्मजोशी भरे संबंधों को याद करते हुए अपनी भारत यात्रा पर लिखी एक पुस्तक भेंट की, और नरेंद्र मोदी को एक महान नेता बताया।

मोदी ने अमेरिकी प्रशासन के कई महत्वपूर्ण लोगों के साथ बैठकें कीं। मोदी ने तुलसी गबार्ड तथा एलन मस्क से लेकर अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार माइकल वाल्ट्ज तक से मुलाकात–एलन मस्क के साथ जहाँ व्यापारिक हितों व समझौतों को लेकर वार्ता हुई, वहीं अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार माइकल वाल्ट्ज के साथ हुई बैठक में रक्षा, तकनीक हस्तांतरण और सुरक्षा क्षेत्रों जैसे गंभीर विषयों पर चर्चा हुई है। मोदी ने वाल्ट्ज को "भारत का एक महान मित्र" कहा है वाल्ट्ज के साथ हुई बैठक में दोनो देशों की वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को और घनिष्ठ करने के तंत्रों पर चर्चा हुई है। इसमें रणनीतिक साझेदारी के साथ साथ आतंकवाद के खिलाफ लडाई, रक्षा औद्योगिक सहयोग और नागरिक परमाणु ऊर्जा पर बल दिया गया। प्रधानमंत्री मोदी और अमेरिका में भारतीय मूल के विवेक रामास्वामी के साथ भारत अमेरिका संबंधों इनोवेशन, बायो तकनीक और भविष्य को आकार देने में उद्यमिता की भूमिका से भी रास्ते तलासे गये। मोदी और ट्रम्प की साझी प्रेसवार्ता ने पूरे विश्व का ध्यान आकृष्ट किया जहाँ दोनों नेताओं की एक और एक ग्यारह वाली मित्रता एक बार फिर देखने को मिली। अमेरिकी राष्ट्रपति ने वर्ष 2030 तक व्यापार को 500 अरब डालर तक बढ़ाने का लक्ष्य तय किया है। रक्षा क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने का संकल्प लिया है जिसमें अमेरिका भारत को एफ– 35 लड़ाकू विमान बहुत जल्द देने पर सहमत हो गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने मुंबई हमले के सरगना तनव्वुर राणा को भारत भेजने के लिए अनुमति प्रदान कर दी है। साथ ही भारत, अमेरिका, आस्ट्रेलिया और जापान को मिलाकर 2017 मे बनाए गये क्वाड समूह को फिर मजबूत व सक्रिय करने पर बल दिया गया है। राष्ट्रपति ट्रम्प ने कहाकि भारत और अमेरिका के मध्य मित्रता बहुत मजबूत है इस समय दोनों देशों के सम्बन्ध सबसे अच्छे दौर में है। दोनों नेताओं ने कहा कि हम आतंकवाद के मुद्दे पर एक दूसरे के साथ दृढ़ता से खड़े हैं। दोनो नेताओं ने सीमा पार आतंकवाद के उन्मूलन के लिए ठोस कार्रवाई पर बल दिया। भारत और अमेरिका सबसे बेहतर व्यापार मार्ग के विकास के लिए संकल्पबद्ध दिखे और इसकी घोषणा भी कर दी गई है। यह व्यापार मार्ग भारत मध्य पूर्व– यूरोप आर्थिक गलियारा होगा जिसमें अमेरिका भी एक साझेदार होगा ।

इस यात्रा ने वैश्विक राजनीति में एक साकारात्मक परिवर्तन की राह पर चलते हुए विश्व में शान्ति सद्भाव की नीति पर चलने के लिए अपने संकल्पों को दोहराया है। जिससे वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना प्रबल हो रही है।

एकता का महाकुंभ

महाकुंभ संपन्न हुआ३एकता का महायज्ञ संपन्न हुआ. जब एक राष्ट्र की चेतना जागृत होती है, जब वो सैकड़ों साल की गुलामी की मानसिकता के सारे बंधनों को तोड़कर नव चैतन्य के साथ हवा में सांस लेने लगता है, तो ऐसा ही दृश्य उपस्थित होता है, जैसा हमने 13 जनवरी के बाद से प्रयागराज में एकता के महाकुंभ में देखा। 22 जनवरी, 2024 को अयोध्या में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में मैंने देवभक्ति से देशभक्ति की बात कही थी। प्रयागराज में महाकुंभ के दौरान सभी देवी–देवता जुटे, संत–महात्मा जुटे, बाल–वृद्ध जुटे, महिलाएं–युवा जुटे, और हमने देश की जागृत चेतना का साक्षात्कार किया। यह महाकुंभ एकता का महाकुंभ था, जहां 140 करोड़ देशवासियों की आस्था एक साथ एक समय में इस एक पर्व से आकर जुड़ गयी थी।

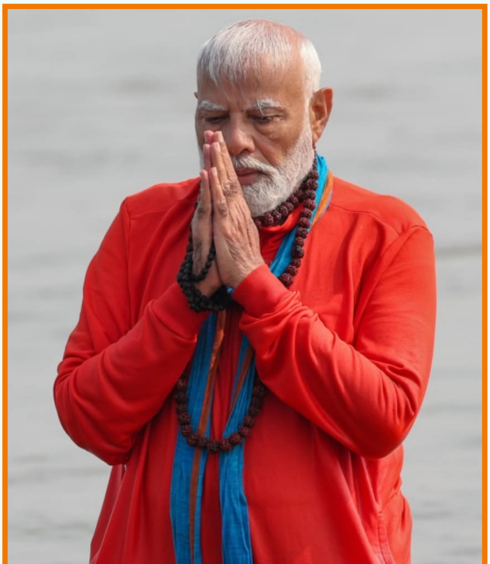

तीर्थराज प्रयाग के इसी क्षेत्र में एकता, समरसता और प्रेम का पवित्र क्षेत्र शृंगवेरपुर भी है, जहां प्रभु श्रीराम और निषादराज का मिलन हुआ था। उनके मिलन का वो प्रसंग भी हमारे इतिहास में भक्ति और सद्भाव के संगम की तरह ही है। प्रयागराज का यह तीर्थ आज भी हमें एकता और समरसता की वो प्रेरणा देता है। बीते 45 दिन, प्रतिदिन, मैंने देखा, कैसे देश के कोने–कोने से लाखों–लाख लोग संगम तट की ओर बढ़े जा रहे हैं। संगम पर स्नान की भावनाओं का ज्वार, लगातार बढ़ता ही रहा। हर श्रद्धालु बस एक ही धुन में था– संगम में स्नान। मां गंगा, यमुना, सरस्वती की त्रिवेणी हर श्रद्धालु को उमंग, ऊर्जा और विश्वास के भाव से भर रही थी।

प्रयागराज में हुआ महाकुंभ का ये आयोजन आधुनिक युग के मैनेजमेंट प्रोफेशनल्स के लिए, प्लानिंग और पॉलिसी एक्सपर्ट्स के लिए, नये सिरे से अध्ययन का विषय बना है। आज पूरे विश्व में इस तरह के विराट आयोजन की कोई दूसरी तुलना नहीं है, ऐसा कोई दूसरा उदाहरण भी नहीं है। पूरी दुनिया हैरान है कि कैसे एक नदी तट पर, त्रिवेणी संगम पर इतनी बड़ी संख्या में, करोड़ों की संख्या में लोग जुटे। इन करोड़ों लोगों को ना औपचारिक निमंत्रण था, ना ही किस समय पहुंचना है, उसकी कोई पूर्व सूचना थी। बस, लोग महाकुंभ चल पड़े३और पवित्र संगम में डुबकी लगाकर धन्य हो गये। मैं वो तस्वीरें भूल नहीं सकता। स्नान के बाद असीम आनंद और संतोष से भरे वो चेहरे नहीं भूल सकता. महिलाएं हों, बुजुर्ग हों, हमारे दिव्यांग जन हों, जिससे जो बन पड़ा, वो साधन करके संगम तक पहुंचा और मेरे लिए ये देखना बहुत ही सुखद रहा कि बहुत बड़ी संख्या में भारत की आज की युवा पीढ़ी प्रयागराज पहुंची। भारत के युवाओं का इस तरह महाकुंभ में हिस्सा लेने के लिए आगे आना एक बहुत बड़ा संदेश है।

इससे ये विश्वास दृढ़ होता है कि भारत की युवा पीढ़ी हमारे संस्कार और संस्कृति की वाहक है और इसे आगे ले जाने का दायित्व समझती है और इसे लेकर संकल्पित भी है, समर्पित भी है। इस महाकुंभ में प्रयागराज पहुंचने वालों की संख्या ने निश्चित तौर पर एक नया रिकॉर्ड बनाया है। लेकिन इस महाकुंभ में हमने ये भी देखा कि जो प्रयाग नहीं पहुंच पाए, वो भी इस आयोजन से भाव–विभोर होकर जुड़े। कुंभ से लौटते हुए जो लोग त्रिवेणी

तीर्थ अपने साथ लेकर गये, उस जल की कुछ बूंदों ने भी करोड़ों भक्तों को कुंभ स्नान जैसा ही पुण्य दिया। कितने ही लोगों का कुंभ से वापसी के बाद गांव–गांव में जो सत्कार हुआ, जिस तरह पूरे समाज ने उनके प्रति श्रद्धा से सिर झुकाया, वो अविस्मरणीय है। ये कुछ ऐसा हुआ है, जो बीते कुछ दशकों में पहले कभी नहीं हुआ. ये कुछ ऐसा हुआ है, जो आने वाली कई–कई शताब्दियों की एक नींव रख गया है। प्रयागराज में जितनी कल्पना की गयी थी, उससे कहीं अधिक संख्या में श्रद्धालु वहां पहुंचे। इसकी एक वजह ये भी थी कि प्रशासन ने भी पुराने कुंभ के अनुभवों को देखते हुए ही अंदाजा लगाया था। लेकिन अमेरिका की आबादी के करीब दोगुने लोगों ने एकता के महाकुंभ में हिस्सा लिया, डुबकी लगायी।

आध्यात्मिक क्षेत्र में रिसर्च करने वाले लोग करोड़ों भारतवासियों के इस उत्साह पर अध्ययन करेंगे, तो पायेंगे कि अपनी विरासत पर गौरव करने वाला भारत अब एक नयी ऊर्जा के साथ आगे बढ़ रहा है। मैं मानता हूं, ये युग परिवर्तन की वो आहट है, जो भारत का नया भविष्य लिखने जा रही है। साथियों, महाकुंभ की इस परंपरा से, हजारों वर्षों से भारत की राष्ट्रीय चेतना को बल मिलता रहा है। हर पूर्णकुंभ में समाज की उस समय की परिस्थितियों पर ऋषियों – मुनियों, विद्वत् जनों द्वारा 45 दिनों तक मंथन होता था। इस मंथन में देश को, समाज को नये दिशा–निर्देश मिलते थे। इसके बाद हर छह वर्ष में अर्धकुंभ में परिस्थितियों और दिशा–निर्देशों की समीक्षा होती थी। बारह पूर्णकुंभ होते–होते, यानी 144 साल के अंतराल पर जो दिशा–निर्देश, जो परंपराएं पुरानी पड़ चुकी होती थीं, उन्हें त्याग दिया जाता था, आधुनिकता को स्वीकार किया जाता था और युगानुकूल परिवर्तन करके नये सिरे से नयी परंपराओं को गढ़ा जाता था।

144 वर्षों के बाद होने वाले महाकुंभ में ऋषियों–मुनियों द्वारा

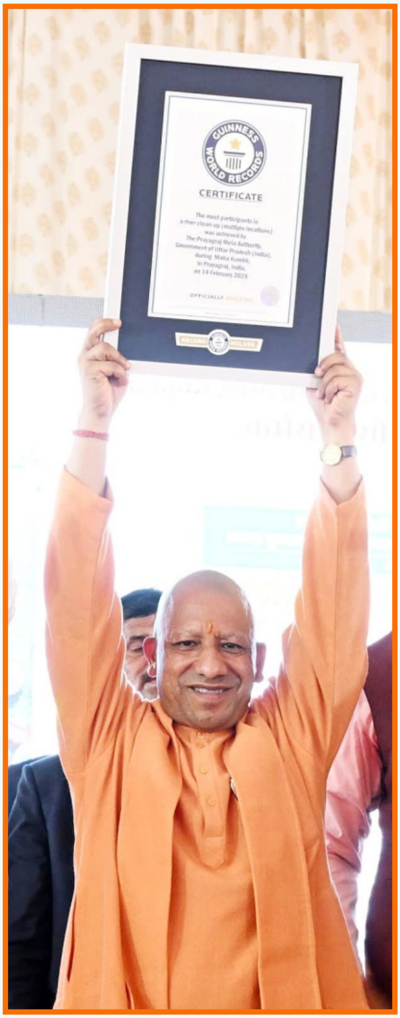

उस समय–काल और परिस्थितियों को देखते हुए नये संदेश भी दिये जाते थे। अब इस बार 144 वर्षों के बाद पड़े इस तरह के पूर्ण महाकुंभ ने भी हमें भारत की विकासयात्रा के नये अध्याय का संदेश दिया है. ये संदेश है– विकसित भारत का। जिस तरह एकता के महाकुंभ में हर श्रद्धालु, चाहे वो गरीब हो या संपन्न हो, बाल हो या वृद्ध हो, देश से आया हो या विदेश से आया हो, गांव का हो या शहर का हो, पूर्व से हो या पश्चिम से हो, उत्तर से हो, दक्षिण से हो, किसी भी जाति का हो, किसी भी विचारधारा का हो, सब एक महायज्ञ के लिए एकता के महाकुंभ में एक हो गये। एक भारत–श्रेष्ठ भारत का ये चिर स्मरणीय दृश्य, करोड़ों देशवासियों में आत्मविश्वास के साक्षात्कार का महापर्व बन गया। अब इसी तरह हमें एक होकर विकसित भारत के महायज्ञ के लिए जुट जाना है. साथियों, आज मुझे वो प्रसंग भी याद आ रहा है, जब बालक रूप में श्रीकृष्ण ने माता यशोदा को अपने मुख में ब्रह्मांड के दर्शन कराये थे। वैसे ही इस महाकुंभ में भारतवासियों ने और विश्व ने भारत के सामर्थ्य के विराट स्वरूप के दर्शन किये हैं। हमें अब इसी आत्मविश्वास से एक निष्ठ होकर, विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए आगे बढ़ना है।

भारत की ये एक ऐसी शक्ति है, जिसके बारे में भक्ति आंदोलन में हमारे संतों ने राष्ट्र के हर कोने में अलख जगायी थी। विवेकानंद हों या श्री अरबिंदो हों, हर किसी ने हमें इसके बारे में जागरूक किया था।

भारत की ये एक ऐसी शक्ति है, जिसके बारे में भक्ति आंदोलन में हमारे संतों ने राष्ट्र के हर कोने में अलख जगायी थी। विवेकानंद हों या श्री अरबिंदो हों, हर किसी ने हमें इसके बारे में जागरूक किया था। इसकी अनुभूति गांधी जी ने भी आजादी के आंदोलन के समय की थी। आजादी के बाद भारत की इस शक्ति के विराट स्वरूप को यदि हमने जाना होता, और इस शक्ति को सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय की ओर मोड़ा होता, तो ये गुलामी के प्रभावों से बाहर निकलते भारत की बहुत बड़ी शक्ति बन जाती। लेकिन हम तब ये नहीं कर पाये. अब मुझे संतोष है, खुशी है कि जनता जनार्दन की यही शक्ति, विकसित भारत के लिए एकजुट हो रही है. वेद से

विवेकानंद तक और उपनिषद से उपग्रह तक, भारत की महान परंपराओं ने इस राष्ट्र को गढ़ा है। मेरी कामना है, एक नागरिक के नाते, अनन्य भक्ति भाव से, अपने पूर्वजों का, हमारे ऋषियों–मुनियों का पुण्य स्मरण करते हुए, एकता के महाकुंभ से हम नयी प्रेरणा लेते हुए, नये संकल्पों को साथ लेकर चलें। हम एकता के महामंत्र को जीवन मंत्र बनायें, देश सेवा में ही देव सेवा, जीव सेवा में ही शिव सेवा के भाव से स्वयं को समर्पित करें। साथियों, जब मैं काशी चुनाव के लिए गया था, तो मेरे अंतर्मन के भाव शब्दों में प्रकट हुए थे, और मैंने कहा था– मां गंगा ने मुझे बुलाया है. इसमें एक दायित्व बोध भी था, हमारी मां स्वरूपा नदियों की पवित्रता को लेकर, स्वच्छता को लेकर।

प्रयागराज में भी गंगा–यमुना–सरस्वती के संगम पर मेरा ये संकल्प और दृढ़ हुआ है। गंगा जी, यमुना जी, हमारी नदियों की स्वच्छता हमारी जीवन यात्रा से जुड़ी है। हमारी जिम्मेदारी बनती है कि नदी चाहे छोटी हो या बड़ी, हर नदी को जीवनदायिनी मां का प्रतिरूप मानते हुए हम अपने यहां सुविधा के अनुसार, नदी उत्सव जरूर मनाएं। ये एकता का महाकुंभ हमें इस बात की प्रेरणा देकर गया है कि हम अपनी नदियों को निरंतर स्वच्छ रखें, इस अभियान को निरंतर मजबूत करते रहें। मैं जानता हूं, इतना विशाल आयोजन आसान नहीं था। मैं प्रार्थना करता हूं मां गंगा से–मां यमुना से–मां सरस्वती से–हे मां, हमारी आराधना में कुछ कमी रह गयी हो, तो क्षमा करियेगा– जनता जनार्दन, जो मेरे लिए ईश्वर का ही स्वरूप है, श्रद्धालुओं की सेवा में भी अगर हमसे कुछ कमी रह गयी हो, तो मैं जनता जनार्दन का भी क्षमाप्रार्थी हूं। साथियों, श्रद्धा से भरे जो करोड़ों लोग प्रयाग पहुंचकर इस एकता के महाकुंभ का हिस्सा बने, उनकी सेवा का दायित्व भी श्रद्धा के सामर्थ्य से ही पूरा हुआ है। यूपी का सांसद होने के नाते मैं गर्व से कह सकता हूं कि योगी जी के नेतृत्व में शासन, प्रशासन और जनता ने मिलकर, इस एकता के महाकुंभ को सफल बनाया। केंद्र हो या राज्य हो, यहां ना कोई शासक था, ना कोई प्रशासक था, हर कोई श्रद्धा भाव से भरा सेवक था। हमारे सफाईकर्मी, हमारे पुलिसकर्मी, नाविक साथी, वाहन चालक, भोजन बनाने वाले, सभी ने पूरी श्रद्धा और सेवा भाव से निरंतर काम करके इस महाकुंभ को सफल बनाया। विशेषकर, प्रयागराज के निवासियों ने इन 45 दिनों में तमाम परेशानियों को उठाकर भी जिस तरह श्रद्धालुओं की सेवा की है, वह अतुलनीय है। मैं प्रयागराज के सभी निवासियों का, यूपी की जनता का आभार व्यक्त करता हूं, अभिनंदन करता हूं। साथियों, महाकुंभ के दृश्यों को देखकर बहुत प्रारंभ से ही मेरे मन में जो भाव जगे, जो पिछले 45 दिनों में और अधिक पुष्ट हुए हैं, राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य को लेकर मेरी आस्था, अनेक गुना मजबूत हुई है। 140 करोड़ देशवासियों ने जिस तरह प्रयागराज में एकता के महाकुंभ को आज के विश्व की एक महान पहचान बना दिया, वो अद्‍भुत है। देशवासियों के इस परिश्रम से, उनके प्रयास से, उनके संकल्प से अभिभूत मैं जल्द ही द्वादश ज्योतिर्लिंग में से प्रथम ज्योतिर्लिंग, श्री सोमनाथ के दर्शन करने जाऊंगा और श्रद्धा रूपी संकल्प पुष्प को समर्पित करते हुए हर भारतीय के लिए प्रार्थना करूंगा। महाकुंभ का स्थूल स्वरूप महाशिवरात्रि को पूर्णता प्राप्त कर गया है। लेकिन मुझे विश्वास है, मां गंगा की अविरल धारा की तरह, महाकुंभ की आध्यात्मिक चेतना की धारा और एकता की धारा निरंतर बहती रहेगी।

व्यक्ति निमार्ण से राष्ट्र निर्माण, जन से जगत : मोदी

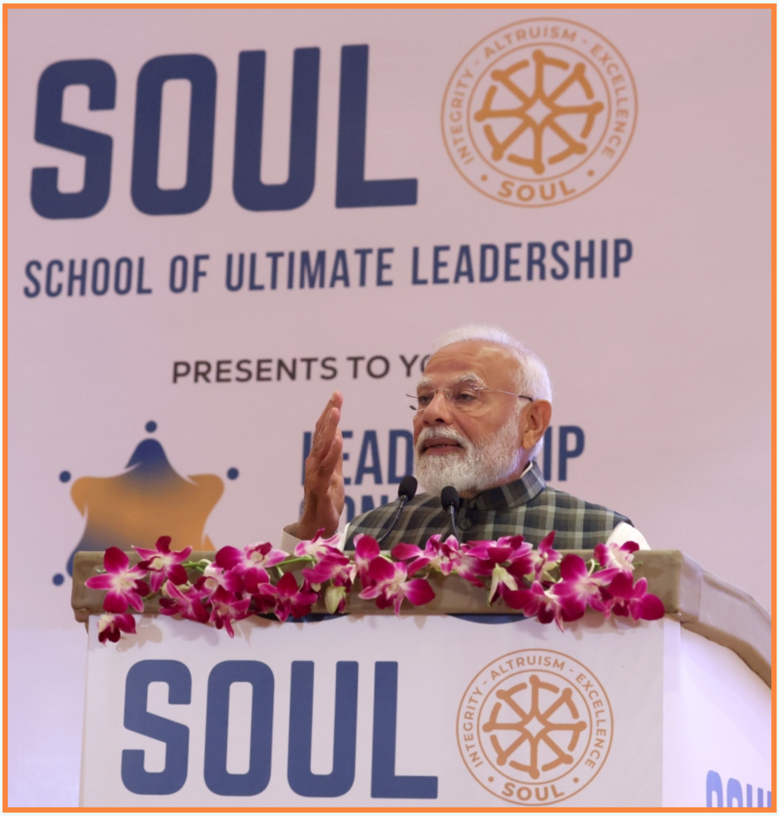

भूटान के प्रधानमंत्री, मेरे Brother दाशो शेरिंग तोबगे जी, सोल बोर्ड के चेयरमैन सुधीर मेहता, वाइस चेयरमैन हंसमुख अढ़िया, उद्योग जगत के दिग्गज, जो अपने जीवन में, अपने–अपने क्षेत्र में लीडरशिप देने में सफल रहे हैं, ऐसे अनेक महानुभावों को मैं यहां देख रहा हूं, और भविष्य जिनका इंतजार कर रहा है, ऐसे मेरे युवा साथियों को भी यहां देख रहा हूं।

कुछ आयोजन ऐसे होते हैं, जो हृदय के बहुत करीब होते हैं, और आज का ये कार्यक्रम भी ऐसा ही है। नेशन बिल्डिंग के लिए, बेहतर सिटिजन्स का डेवलपमेंट ज़रूरी है। व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण, जन से जगत, जन से जग, ये किसी भी ऊंचाई को प्राप्त करना है, विशालता को पाना है, तो आरंभ जन से ही शुरू होता है। हर क्षेत्र में बेहतरीन लीडर्स का डेवलपमेंट बहुत जरूरी है, और समय की मांग है। और इसलिए The School of Ultimate Leadership की स्थापना, विकसित भारत की विकास यात्रा में एक बहुत महत्वपूर्ण और बहुत बड़ा कदम है।

इस संस्थान के नाम में ही 'सोल' है, ऐसा नहीं है, ये भारत की सोशल लाइफ की soul बनने वाला है, और हम लोग जिससे भली–भांति परिचित हैं, बार–बार सुनने को मिलता है– आत्मा, अगर इस सोल को उस भाव से देखें, तो ये आत्मा की अनुभूति कराता है। मैं इस मिशन से जुड़े सभी साथियों का, इस संस्थान से जुड़े सभी महानुभावों का हृदय से बहुत–बहुत अभिनंदन करता हूं। बहुत जल्द ही गिफ्ट सिटी के पास The School of Ultimate Leadership का एक विशाल कैंपस भी बनकर तैयार होने वाला है और अभी जब मैं आपके बीच आ रहा था, तो चेयरमैन श्री ने मुझे उसका पूरा मॉडल दिखाया, प्लान दिखाया, वाकई मुझे लगता है कि आर्किटेक्चर की दृष्टि से भी ये लीडरशिप लेगा।

आज जब The School of Ultimate Leadership– सोल, अपने सफर का पहला बड़ा कदम उठा रहा है, तब आपको ये याद रखना है कि आपकी दिशा क्या है, आपका लक्ष्य क्या है? स्वामी विवेकानंद ने कहा था– "Give me a hundred energetic young men and women and I shall transform India-" स्वामी विवेकानंद जी, भारत को गुलामी से बाहर निकालकर भारत को ट्रांसफॉर्म करना चाहते थे। और उनका विश्वास था कि अगर 100 लीडर्स उनके पास हों, तो वो भारत को आज़ाद ही नहीं बल्कि दुनिया का नंबर वन देश बना सकते हैं। इसी इच्छा–शक्ति के साथ, इसी मंत्र को लेकर हम सबको और विशेषकर आपको आगे बढ़ना है। आज हर भारतीय 21वीं सदी के विकसित भारत के लिए दिन–रात काम कर रहा है। ऐसे में 140 करोड़ के देश में भी हर सेक्टर में, हर वर्टिकल में, जीवन के हर पहलू में, हमें उत्तम से उत्तम लीडरशिप की जरूरत है। सिर्फ पॉलीटिकल लीडरशिप नहीं, जीवन के हर क्षेत्र में School of Ultimate Leadership के पास भी 21st सेंचुरी की लीडरशिप तैयार करने का बहुत बड़ा स्कोप है। मुझे विश्वास है, School of Ultimate Leadership से ऐसे लीडर निकलेंगे, जो देश ही नहीं बल्कि दुनिया की संस्थाओं में, हर क्षेत्र में अपना परचम लहराएंगे और हो सकता है, यहां से ट्रेनिंग लेकर निकला कोई युवा, शायद पॉलिटिक्स में नया मुकाम हासिल करे।

कोई भी देश जब तरक्की करता है, तो नेचुरल रिसोर्सेज की अपनी भूमिका होती ही है, लेकिन उससे भी ज्यादा ह्यूमेन रिसोर्स की बहुत बड़ी भूमिका है। मुझे याद है, जब महाराष्ट्र और गुजरात के अलग होने का आंदोलन चल रहा था, तब तो हम बहुत बच्चे थे, लेकिन उस समय एक चर्चा ये भी होती थी, कि गुजरात अलग होकर के क्या करेगा? उसके पास कोई प्राकृतिक संसाधन नहीं है, कोई खदान नहीं है, ना कोयला है, कुछ नहीं है, ये करेगा क्या? पानी भी नहीं है, रेगिस्तान है और उधर पाकिस्तान है, ये करेगा क्या? और ज्यादा से ज्यादा इन गुजरात वालों के पास नमक है, और है क्या? लेकिन लीडरशिप की ताकत देखिए, आज वही गुजरात सब कुछ है। वहां के जन सामान्य में ये जो सामर्थ्य था, रोते नहीं बैठें, कि ये नहीं है, वो नहीं है, ढ़िकना नहीं, फलाना नहीं, अरे जो है सो वो। गुजरात में डायमंड की एक भी खदान नहीं है, लेकिन दुनिया में 10 में से 9 डायमंड वो है, जो किसी न किसी गुजराती का हाथ लगा हुआ होता है। मेरे कहने का तात्पर्य ये है कि सिर्फ संसाधन ही नहीं, सबसे बड़ा सामर्थ्य होता है– ह्यूमन रिसोर्स में, मानवीय सामर्थ्य में, जनशक्ति में और जिसको आपकी भाषा में लीडरशिप कहा जाता है।

21st सेंचुरी में तो ऐसे रिसोर्स की ज़रूरत है, जो इनोवेशन को लीड कर सकें, जो स्किल को चैनेलाइज कर सकें। आज हम देखते हैं कि हर क्षेत्र में स्किल का कितना बड़ा महत्व है। इसलिए जो लीडरशिप डेवलपमेंट का क्षेत्र है, उसे भी नई स्किल्स चाहिए। हमें बहुत साइंटिफिक तरीके से लीडरशिप डेवलपमेंट के इस काम को तेज गति से आगे बढ़ाना है। इस दिशा में सोल की, आपके संस्थान की बहुत बड़ी भूमिका है। मुझे ये जानकर अच्छा लगा कि आपने इसके लिए काम भी शुरु कर दिया है। विधिवत भले आज आपका ये पहला कार्यक्रम दिखता हो, मुझे बताया गया कि नेशनल एजुकेशन पॉलिसी के effective implementation के लिए, State Education Secretaries, State Project Directors और अन्य अधिकारियों के लिए वर्क–शॉप्स हुई हैं। गुजरात के चीफ मिनिस्टर ऑफिस के स्टाफ में लीडरशिप डेवलपमेंट के लिए चिंतन शिविर लगाया गया है और मैं कह सकता हूं, ये तो अभी शुरुआत है। अभी तो सोल को दुनिया का सबसे बेहतरीन लीडरशिप डेवलपमेंट संस्थान बनते देखना है और इसके लिए परिश्रम करके दिखाना भी है।

21st सेंचुरी में तो ऐसे रिसोर्स की ज़रूरत है, जो इनोवेशन को लीड कर सकें, जो स्किल को चैनेलाइज कर सकें। आज हम देखते हैं कि हर क्षेत्र में स्किल का कितना बड़ा महत्व है। इसलिए जो लीडरशिप डेवलपमेंट का क्षेत्र है, उसे भी नई स्किल्स चाहिए।

आज भारत एक ग्लोबल पावर हाउस के रूप में Emerge हो रहा है। ये Momentum, ये Speed और तेज हो, हर क्षेत्र में हो, इसके लिए हमें वर्ल्ड क्लास लीडर्स की, इंटरनेशनल लीडरशिप की जरूरत है। SOUL जैसे Leadership Institutions, इसमें Game Changer साबित हो सकते हैं। ऐसे International Institutions हमारी Choice ही नहीं, हमारी Necessity हैं। आज भारत को हर सेक्टर में Energetic Leaders की भी जरूरत है, जो Global Complexities का, Global Needs का Solution ढूंढ पाएं। जो Problems को Solve करते समय, देश के Interest को Global Stage पर सबसे आगे रखें। जिनकी अप्रोच ग्लोबल हो, लेकिन सोच का एक महत्वपूर्ण हिस्सा Local भी हो। हमें ऐसे Individuals तैयार करने होंगे, जो Indian Mind के साथ, International Mind-set को समझते हुए आगे बढ़ें। जो Strategic Decision Making, Crisis Management और Futuristic Thinking के लिए हर पल तैयार हों। अगर हमें International Markets में, Global Institutions में Compete करना है, तो हमें ऐसे Leaders चाहिए जो International Business Dynamics की समझ रखते हों। SOUL का काम यही है, आपकी स्केल बड़ी है, स्कोप बड़ा है, और आपसे उम्मीद भी उतनी ही ज्यादा हैं।

आप सभी को एक बात हमेशा–हमेशा उपयोगी होगी, आने वाले समय में Leadership सिर्फ Power तक सीमित नहीं होगी। Leadership के Roles में वही होगा, जिसमें Innovation और Impact की Capabilities हों। देश के Individuals को इस Need के हिसाब से Emerge होना पड़ेगा। SOUL bu Individuals में Critical Thinking, Risk Taking और Solution Driven Mindset develop करने वाला Institution होगा। आने वाले समय में, इस संस्थान से ऐसे लीडर्स निकलेंगे, जो Disruptive Changes के बीच काम करने को तैयार होंगे।

हमें ऐसे लीडर्स बनाने होंगे, जो ट्रेंड बनाने में नहीं, ट्रेंड सेट करने के लिए काम करने वाले हों। आने वाले समय में जब हम Diplomacy से Tech Innovation तक, एक नई लीडरशिप को आगे बढ़ाएंगे। तो इन सारे Sectors में भारत का Influence और impact, दोनों कई गुणा बढ़ेंगे। यानि एक तरह से भारत का पूरा विजन, पूरा फ्यूचर एक Strong Leadership Generation पर निर्भर होगा। इसलिए हमें Global Thinking और Local Upbringing के साथ आगे बढ़ना है। हमारी Governance को, हमारी Policy Making को geus World Class बनाना होगा। ये तभी हो पाएगा, जब हमारे Policy Makers, Bureaucrats, Entrepreneurs, अपनी पॉलिसीज़ को

पड़ा है। हमें उस Spirit को revive करना है और ये मुश्किल भी नहीं है। दुनिया में ऐसे अनेक देशों के उदाहरण हैं, जिन्होंने ये करके दिखाया है। मैं समझता हूं, यहां इस हॉल में बैठे साथी और बाहर जो हमें सुन रहे हैं, देख रहे हैं, ऐसे लाखों–लाख साथी हैं, सब के सब सामर्थ्यवान हैं। ये इंस्टीट्यूट, आपके सपनों, आपके विजन की भी प्रयोगशाला होनी चाहिए। ताकि आज से 25–50 साल बाद की पीढ़ी आपको गर्व के साथ याद करें। आप आज जो ये नींव रख रहे हैं, उसका गौरवगान कर सके।

एक institute के रूप में आपके सामने करोड़ों भारतीयों का संकल्प और सपना, दोनों

Global Best Practices के साथ जोड़कर Frame कर पाएंगे। और इसमें सोल जैसे संस्थान की बहुत बड़ी भूमिका होगी। मैंने पहले भी कहा कि अगर हमें विकसित भारत बनाना है, तो हमें हर क्षेत्र में तेज गति से आगे बढ़ना होगा। हमारे यहां शास्त्रों में कहा गया है–

यत् यत् आचरति श्रेष्ठ:, तत् तत् एव इतर: जन:॥

यानि श्रेष्ठ मनुष्य जैसा आचरण करता है, सामान्य लोग उसे ही फॉलो करते हैं। इसलिए, ऐसी लीडरशिप ज़रूरी है, जो हर aspect में वैसी हो, जो भारत के नेशनल विजन को रिफ्लेक्ट करे, उसके हिसाब से conduct करे। फ्यूचर लीडरशिप में, विकसित भारत के निर्माण के लिए ज़रूरी स्टील और ज़रूरी स्पिरिट, दोनों पैदा करना है, SOUL का उद्देश्य वही होना चाहिए। उसके बाद जरूरी बींदहम और रिफॉर्म अपने आप आते रहेंगे।

ये स्टील और स्पिरिट, हमें पब्लिक पॉलिसी और सोशल सेक्टर्स में भी पैदा करनी है। हमें Deep-Tech, Space, Biotech, Renewable Energy जैसे अनेक Emerging Sectors के लिए लीडरशिप तैयार करनी है। Sports, Agriculture, Manufacturing और Social Service जैसे Conventional Sectors के लिए भी नेतृत्व बनाना है। हमें हर सेक्टर्स में excellence को aspire ही नहीं, अचीव भी करना है। इसलिए, भारत को ऐसे लीडर्स की जरूरत होगी, जो Global Excellence के नए Institutions को डेवलप करें। हमारा इतिहास तो ऐसे Institutions की Glorious Stories से भरा

एकदम स्पष्ट होना चाहिए। आपके सामने वो सेक्टर्स और फैक्टर्स भी स्पष्ट होने चाहिए, जो हमारे लिए चैलेंज भी हैं और opportunity भी हैं। जब हम एक लक्ष्य के साथ आगे बढ़ते हैं, मिलकर प्रयास करते हैं, तो नतीजे भी अद्‌भुत मिलते हैं। The bond forged by a shared purpose is stronger than blood. ये माइंड्स को unite करता है, ये passion को fuel करता है और ये समय की कसौटी पर खरा उतरता है। जब Common goal बड़ा होता है, जब आपका purpose बड़ा होता है, ऐसे में leadership भी विकसित होती है, Team spirit भी विकसित होती है, लोग खुद को अपने Goals के लिए dedicate कर देते हैं। जब Common goal होता है, एक shared purpose होता है, तो हर individual की इमेज capacity भी बाहर आती है और इतना ही नहीं, वो बड़े संकल्प के अनुसार अपनी capabilities बढ़ाता भी है और इस process में एक लीडर डेवलप होता है। उसमें जो क्षमता नहीं है, उसे वो acquire करने की कोशिश करता है, ताकि और ऊपर पहुंच सकें।

जब shared purpose होता है तो team spirit की अभूतपूर्व भावना हमें गाइड करती है। जब सारे लोग एक shared purpose के co-traveller के तौर पर एक साथ चलते हैं, तो एक bonding विकसित होती है। ये team building का प्रोसेस भी leadership को जन्म देता है। हमारी आज़ादी की लड़ाई से बेहतर Shared purpose का क्या उदाहरण हो सकता है?

हमारे freedom struggle से सिर्फ पॉलिटिक्स ही नहीं, दूसरे सेक्टर्स में भी लीडर्स बने। आज हमें आज़ादी के आंदोलन के उसी भाव को वापस जीना है। उसी से प्रेरणा लेते हुए, आगे बढ़ना है।

संस्कृत में एक बहुत ही सुंदर सुभाषित है:

अमन्त्रं अक्षरं नास्ति, नास्ति मूलं अनौषधम्।
अयोग्य: पुरुषो नास्ति, योजका: तत्र दुर्लभ:।।

यानि ऐसा कोई शब्द नहीं, जिसमें मंत्र ना बन सके। ऐसी कोई जड़ी–बूटी नहीं, जिससे औषधि ना बन सके। कोई भी ऐसा व्यक्ति नहीं, जो अयोग्य हो। लेकिन सभी को जरूरत सिर्फ ऐसे योजनाकार की है, जो उनका सही जगह इस्तेमाल करे, उन्हें सही दिशा दे। SOUL का रोल भी उस योजनाकार का ही है। आपको भी शब्दों को मंत्र में बदलना है, जड़ी–बूटी को औषधि में बदलना है। यहां भी कई लीडर्स बैठे हैं। आपने अवसर होना, ये अपने आप में बहुत ही सुखद संयोग है। और भूटान के प्रधानमंत्री जी का इतने महत्वपूर्ण दिवस में यहां आना और भूटान के राजा का उनको यहां भेजने में बहुत बड़ा रोल है, तो मैं उनका भी हृदय से बहुत–बहुत आभार व्यक्त करता हूं।

ये दो दिन, अगर मेरे पास समय होता तो मैं ये दो दिन यहीं रह जाता, क्योंकि मैं कुछ समय पहले विकसित भारत का एक कार्यक्रम था आप में से कई नौजवान थे उसमें, तो लगभग पूरा दिन यहां रहा था, सबसे मिला, गप्पे मार रहा था, मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला, बहुत कुछ जानने को मिला, और आज तो मेरा सौभाग्य है, मैं देख रहा हूं कि फर्स्ट रो में सारे लीडर्स वो बैठे हैं जो अपने जीवन में सफलता की नई–नई ऊंचाइयां प्राप्त कर चुके हैं। ये आपके लिए बड़ा अवसर है, इन सबके साथ मिलना, बैठना, बातें करना। मुझे

लीडरशिप के ये गुर सीखे हैं, तराशे हैं। मैंने कहीं पढ़ा था– If you develop yourself, you can experience personal success- If you develop a team] your organization can experience growth- If you develop leaders, your organization can achieve explosive growth. इन तीन वाक्यों से हमें हमेशा याद रहेगा कि हमें करना क्या है, हमें contribute करना है।

आज देश में एक नई सामाजिक व्यवस्था बन रही है, जिसको वो युवा पीढी गढ़ रही है, जो 21वीं सदी में पैदा हुई है, जो बीते दशक में पैदा हुई है। ये सही मायने में विकसित भारत की पहली पीढ़ी होने जा रही है, अमृत पीढ़ी होने जा रही है। मुझे विश्वास है कि ये नया संस्थान, ऐसी इस अमृत पीढ़ी की लीडरशिप तैयार करने में एक बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। एक बार फिर से आप सभी को मैं बहुत–बहुत शुभकामनाएं देता हूं।

भूटान के राजा का आज जन्मदिन होना, और हमारे यहां यह ये सौभाग्य नहीं मिलता है, क्योंकि मुझे जब ये मिलते हैं तब वो कुछ ना कुछ काम लेकर आते हैं। लेकिन आपको उनके अनुभवों से बहुत कुछ सीखने को मिलेगा, जानने को मिलेगा। ये स्वयं में, अपने–अपने क्षेत्र में, बड़े अचीवर्स हैं। और उन्होंने इतना समय आप लोगों के लिए दिया है, इसी में मन लगता है कि इस सोल नाम की इंस्टीट्यूशन का मैं एक बहुत उज्ज्वल भविष्य देख रहा हूं, जब ऐसे सफल लोग बीज बोते हैं तो वो वट वृक्ष भी सफलता की नई ऊंचाइयों को प्राप्त करने वाले लीडर्स को पैदा करके रहेगा, ये पूरे विश्वास के साथ मैं फिर एक बार इस समय देने वाले, सामर्थ्य बढ़ाने वाले, शक्ति देने वाले हर किसी का आभार व्यक्त करते हुए, मेरे नौजवानों के लिए मेरे बहुत सपने हैं, मेरी बहुत उम्मीदें हैं और मैं हर पल, मैं मेरे देश के नौजवानों के लिए कुछ ना कुछ करता रहूं, ये भाव मेरे भीतर हमेशा पड़ा रहता है, मौका ढूंढता रहता हूँ और आज फिर एक बार वो अवसर मिला है, मेरी तरफ से नौजवानों को बहुत–बहुत शुभकामनाएं।

सांस्कृतिक विविधता, भारतीय एकता का मंत्र

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा ने वाराणसी में आयोजित 'काशी तमिल संगमम 3.0' कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुए कहा कि पूर्व हो या पश्चिम, उत्तर हो या दक्षिण, आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में एकता की दिशा में अनेकों प्रयास हो रहे हैं। काशी तमिल संगमम अपने आप में दो संस्कृतियों का मिलन है। इस मिलन में संस्कृतियों की अनेकों–अनेक विविधता होने के बाद भी भारत की एकता का मंत्र देखने को मिलता है। कार्यक्रम में तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष श्री के. अन्नामलाई उपस्थित समेत अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। श्री नड्डा ने काशी विश्वनाथ जी की पूजा अर्चना भी किया। श्री नड्डा ने कहा कि तमिलनाडु की भाषा और संस्कृति का काशी से बहुत पुराना संबंध है। दो संस्कृतियों के मिलन के लिए 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की दिशा में 'अनेकता में एकता' के मंत्र को सूत्रपात करते हुए यह तृतीय काशी तमिल संगमम आयोजित हो रहा है। पूर्व हो या पश्चिम, उत्तर हो या दक्षिण, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में एकता की दिशा में अनेकों प्रयास हो रहे हैं।

दो संस्कृतियों के मिलन के लिए 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की दिशा में 'अनेकता में एकता' के मंत्र को सूत्रपात करते हुए यह तृतीय काशी तमिल संगमम आयोजित हो रहा है।

श्री नड्डा ने कहा कि माधवपुर मेले के रूप में गुजरात में मनाई जाने वाली रुकमणी–कृष्णा यात्रा का रिश्ता अरुणाचल प्रदेश से रुकमणी को कृष्ण की द्वारका से गुजरात तक जुड़ता है। इसी तरह से काशी–तमिल संगमम हो या सौराष्ट्र–तमिल संगमम, हर तरीके से भाषा और सांस्कृतिक विरासत को एकजुट करने का मंत्र नरेन्द्र मोदी जी ने 10 वर्षों में दिया है। सभी भाषाओं की समृद्धता को देश ही नहीं बल्कि दुनिया के पटल पर भी रखा है। तमिल कवि व स्वतंत्रता सेनानी सुब्रमण्यम भारती ने काशी में अपनी शिक्षा गृहण की और अपना पूरा जीवन देश की स्वतंत्रता के लिए लगा दिया, अंग्रेजों से लड़ते हुए उन्होंने अपना बहुत समय व्यतीत किया। काशी से तमिल जाकर उन्होंने देश की आजादी के लिए अपना योगदान किया। 15वीं शताब्दी में राजा पांडियन ने तमिलनाडु में शिव मंदिर बनाया, जो लोग उन दिनों बाबा के दर्शन के लिए काशी नहीं आ पाते थे, वो राजा पांडियन द्वारा बनाए गए मंदिर के दर्शन करते थे।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि उन्हें उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा आयोजित अगस्त्य ऋषि पर आधारित प्रदर्शनी देखने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। काशी–तमिल संस्कृति में यह प्रदर्शित है कि

अगस्त्य ऋषि का जन्म उत्तर प्रदेश के काशी में हुआ था, लेकिन उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन तमिलनाडु में बिताया। ऋषि अगस्त्य तमिल व्याकरण के रचयिता के रूप में प्रसिद्ध हैं, और उनके जन्मदिवस को सिद्धा दिवस के रूप में मनाया जाता है। यही काशी और तमिलनाडु के गहरे संबंध को दर्शाता है। अगस्त्य ऋषि मंदिर में मौजूद महाकुंड भी इस संबंध को स्पष्ट करता है। जब श्री नरेंद्र मोदी जी ने काशी –तमिल संगमम की शुरुआत की थी, तब उन्होंने विविधता में आत्मीयता को देखने पर जोर दिया था, और यही आत्मीयता इस कार्यक्रम में मौजूद लोगों की उपस्थिति से झलकती है। आज 200 से अधिक तमिल भाई–बहनें, स्वयं सेविका समूह की बहनें, तमिलनाडु से काशी, अयोध्या और प्रयागराज के महाकुंभ में जाएंगी। यह भारत की अटूट संस्कृति को जोड़ने का कार्य करने वाला एक महत्वपूर्ण पहलू है।

श्री नड्डा ने कहा कि जब आजादी के बाद तमिलनाडु के सांस्कृतिक गुरुओं ने प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को एक सेंगोल भेंट किया था, जिसे पश्चिमी संस्कृति में सत्ता के हस्तांतरण का प्रतीक माना जाता है। उस समय, पश्चिमी देशों के राजनयिकों ने इसे पहले आनंद भवन में रखा, बाद में इसे इलाहाबाद के एक संग्रहालय में स्थानांतरित कर दिया गया। जब भारत की नई संसद इमारत बनी, तब मोदी जी ने इसे दक्षिण के चोल पंडितों द्वारा पूजन के बाद संसद भवन परिसर में स्थापित कराया। यह दर्शाता है कि मोदी जी ने दक्षिण को भी विकास की मुख्यधारा से जोड़ा है। सेंगोल न्याय का प्रतीक है, और इसका संदेश है कि इसे रखने वाला संविधान के अनुरूप कार्य करे, कानून का पालन करे और निरंकुश न हो।

श्री नड्डा ने कहा कि आईआईटी मद्रास और बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी के योगदान से तमिल संगमम को नया रूप और शक्ति मिल रही है। काशी की जनता ने उत्साहपूर्वक इसमें भाग लिया, जिससे भारत की विविधता में एकता की भावना स्पष्ट होती है। इस आयोजन में भारत की समृद्ध संस्कृति, तमिल की प्राचीन भाषा और संस्कृत की गौरवशाली परंपरा का संगम देखने को मिल रहा है। लंबे समय बाद इस पहल को आगे बढ़ाने का निर्णय अत्यंत प्रशंसनीय है। कार्यक्रम में आए लोग काशी की स्मृतियाँ संजोकर लौटेंगे, वहीं तमिलनाडु से आए अतिथि भी अपनी सांस्कृतिक विरासत की यादें यहाँ साझा करेंगे।

आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने १० वर्षों में काशी-तमिल संगमम् हो या सौराष्ट्र-तमिल संगमम, हर तरीके से भाषा और सांस्कृतिक विरासत को एकजुट करने का मंत्र दिया है। यह दर्शाता है कि आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने दक्षिण को भी विकास की मुख्यधारा से जोड़ा है।

युवाओं और किसानों को खुशहाली देगा बजट: योगी

बृहस्पतिवार को प्रदेश सरकार का बजट पेश किया गया। बजट के बाद सीएम योगी ने पत्रकारों से बात की। उन्होंने सरकार की उपलब्धियों पर चर्चा की।

बृहस्पतिवार को प्रदेश सरकार का बजट पेश किया गया। बजट के बाद सीएम योगी ने पत्रकारों से बात की। उन्होंने सरकार की उपलब्धियों पर चर्चा की। सीएम ने कहा कि हमने अपने बजट में इस बात का विशेष ध्यान रखा है कि समाज के सभी वर्गों का समान विकास हो। प्रदेश की जो इमेज बनी हुई है उसमें बदलाव आए। सीएम योगी ने कहा कि इस बजट का आकार 08 लाख 08 हजार 736 करोड़ रुपये से अधिक (8,08,736.06 करोड़ रुपये) का है। वर्ष 2024–25 के बजट के सापेक्ष इसमें 9.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। उत्तर प्रदेश के बजट के आकार में यह बढ़ोत्तरी राज्य के सामर्थ्य के अनुरूप है। यह बजट अर्थव्यवस्था को विस्तार देने की डबल इंजन सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। सीएम ने कहा कि कुल व्यय में 02 लाख 25 हजार 561 करोड़ 49 लाख रुपये कैपिटल एक्सपेंडिचर सम्मिलित है। वर्ष 2017–18 में प्रदेश की जी०डी०पी० 12.89 लाख करोड़ रुपये थी, जो वर्ष 2024–25 में बढ़कर 27.51 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है।

- बजट में व्यय की नई मदों हेतु 28 हजार 478 करोड़ 34 लाख रुपये का प्रावधान।
- अवस्थापना विकास के लिये 01 लाख 79 हजार 131 करोड़ 04 लाख रुपये प्रस्तावित।
- इसमें ऊर्जा क्षेत्र के लिये 61,070 करोड़ रुपये से अधिक, सिंचाई के लिये 21,340 करोड़ रुपये से अधिक, भारी एवं मध्यम उद्योग के लिये लगभग 24 हजार करोड़ रुपये, नगर विकास के लिये 25,308 करोड़ रुपये से अधिक, आवास एवं शहरी नियोजन के लिये 7,403 करोड़ रुपये से अधिक तथा नागरिक उड्डयन के लिये 3,152 करोड़ रुपये प्रस्तावित ।
- शिक्षा क्षेत्र के लिये 1,06,360 करोड़ रुपये से अधिक प्रस्तावित। (कुल बजट का 13) शिक्षा पर इतना व्यय करने वाला उत्तर प्रदेश अग्रणी राज्य है।
- कृषि क्षेत्र के अन्तर्गत कृषि, उद्यान, पशुधन, दुग्ध, मत्स्य, सहकारिता, ग्राम्य विकास, पंचायती राज, नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति के लिये कुल लगभग 89,353 करोड़ रुपये प्रस्तावित। (कुल बजट का 11 प्रतिशत)
- चिकित्सा क्षेत्र के अन्तर्गत चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, चिकित्सा शिक्षा, आयुष तथा

सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिये 50,550 करोड़ रुपये से अधिक का प्रावधान। (कुल बजट का 6 प्रतिशत)

प्रदेश के सभी होमगार्डस, पीआरडी जवान, ग्राम चौकीदार, शिक्षामित्र, बेसिक शिक्षा विभाग के अनुदेशक एवं मानदेय के आधार पर कार्य करने हेतु वाले कार्मिकों को मुख्यमंत्री जन आरोग्य अभियान के अन्तर्गत 05 लाख रुपये तक की नि:शुल्क चिकित्सा का लाभ दिया जाएगा।

बजट की प्रमुख बातें

- ➤ श्री बांके बिहारी जी मंदिर मथुरा–वृन्दावन कॉरिडोर के निर्माण व भूमि क्रय हेतु 150 करोड़ रुपये प्रस्तावित हैं।
- ➤ जनपद मीरजापुर के त्रिकोणीय क्षेत्र में परिक्रमा पथ एवं जन सुविधाओं के विकास हेतु भूमि खरीद व निर्माण के लिए 200 करोड़ रुपये प्रस्तावित हैं।
- ➤ नैमिषारण्य में पर्यटन अवस्थापना सुविधाओं के विकास हेतु 100 करोड़ रुपये तथा वेद विज्ञान केन्द्र की स्थापना हेतु 100 करोड़ रुपये की व्यवस्था।
- ➤ चित्रकूट में पर्यटन अवस्थापना सुविधाओं के लिए 50 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित।
- ➤ योगी सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025–2026 के लिए 8 लाख 8 हजार 736 करोड़ 6 लाख रुपये का ऐतिहासिक बजट विधानसभा में पेश किया। यह उत्तर प्रदेश के इतिहास में अबतक का सबसे बड़ा बजट है। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने इसे प्रदेश के आर्थिक विकास और सामाजिक कल्याण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताते हुए प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि यह बजट वर्ष 2024–2025 के बजट से 9.8 प्रतिशत अधिक है, जिससे राज्य की आर्थिक वृद्धि को गति मिलेगी। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि यह बजट प्रदेश की आर्थिक मजबूती, औद्योगिक विकास और रोजगार सृजन को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। सरकार का लक्ष्य उत्तर प्रदेश को 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ना है।
- ➤ योगी सरकार ने शिक्षा को और मजबूत बनाने के लिए 13 प्रतिशत बजट शिक्षा क्षेत्र के लिए निर्धारित किया है। इसमें प्राथमिक एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में आईसीटी लैब और स्मार्ट क्लासेस स्थापित करने का प्रस्ताव है। साथ ही राजकीय पॉलीटेक्निक कॉलेजों में डिजिटल लाइब्रेरी और स्मार्ट क्लासेस शुरू करने की योजना भी शामिल है। इसके अलावा प्रदेश में शोध और विकास को बढ़ावा देने के लिए विशेष योजनाएं बजट में प्रस्तावित हैं।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और साइबर सुरक्षा को बढ़ावा

उत्तर प्रदेश को तकनीकी हब बनाने के लिए योगी सरकार ने कई नई योजनाएं शुरू करने का प्रस्ताव बजट के जरिए पेश किया है। इसमें 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सिटी' की स्थापना की जाएगी, जिससे प्रदेश को तकनीकी नवाचार का केंद्र बनाया जाएगा। साथ ही साइबर सिक्योरिटी में टेक्नोलॉजी रिसर्च ट्रांसलेशन पार्क स्थापित करने की योजना, जिससे डिजिटल सुरक्षा को बढ़ावा मिलेगा। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को बढ़ावा देने हेतु सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना का प्रस्ताव भी शामिल है।

विज्ञान और नवाचार को मिलेगा प्रोत्साहन

सरकार ने प्रदेश में विज्ञान और अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इसमें साइंस सिटी, विज्ञान पार्क और नक्षत्रशालाओं की स्थापना और पुराने संस्थानों के नवीनीकरण की कार्ययोजना शामिल है। छात्रों के लिए आधुनिक वैज्ञानिक सुविधाएं उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

स्मार्ट सिटी डेवलपमेंट प्रोजेक्ट

वित्त मंत्री ने बताया कि प्रदेश के 58 नगर निकायों को 'आदर्श स्मार्ट नगर निकाय' के रूप में विकसित किया जाएगा। इसमें प्रत्येक नगर निकाय को 2.50 करोड़ रुपये की धनराशि प्रदान की जाएगी, जिससे कुल 145 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इन शहरों में आधुनिक सुविधाएँ, तकनीकी नवाचार और स्वच्छता प्रबंधन को प्राथमिकता दी जाएगी।

महाकुंभ से समता समरसता का संदेश : आनंदी

राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने उत्तर प्रदेश राज्य विधान मण्डल के वर्ष 2025 के प्रथम सत्र के लिए बुलाई गई दोनों सदनों के संयुक्त अधिवेशन को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने प्रदेश सरकार की ओर से प्रयागराज में कराए जा रहे महाकुम्भ का विशेष उल्लेख किया और इसे एक भारत, श्रेष्ठ भारत की अवधारणा को साकार होना बताया। राज्यपाल ने कहा कि उनकी सरकार को इस वर्ष दिव्य एवं भव्य महाकुम्भ आयोजन का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। महाकुम्भ–2025 में स्वच्छता, सुरक्षा तथा सुव्यवस्था के नए मानक गढ़े गए हैं। महाकुम्भ में आस्था एवं आधुनिकता का अद्‌भुत संगम देखने को मिल रहा है।

राज्यपाल ने कहा कि यह आयोजन जहां एक ओर अनेकता में एकता को दर्शाता है। वहीं दूसरी ओर समता व समरसता का संदेश भी दे रहा है, जिससे 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की अवधारणा साकार हो रही है। अब तक लगभग 50 करोड़ से अधिक श्रद्धालुजन पावन त्रिवेणी में आस्था की पवित्र डुबकी लगा चुके हैं।

शोक संतप्त परिजनों के प्रति व्यक्त की संवेदना

राज्यपाल ने मौनी अमावस्या पर घटी दुर्भाग्यपूर्ण घटना पर शोक प्रकट करते हुए कहा कि इससे हम सभी अत्यन्त दुःखी हैं। इसमें कुछ श्रद्धालु गंभीर रूप से घायल हो गए, जिसमें से कुछ श्रद्धालुओं की दुःखद मृत्यु भी हो गई। असमय काल–कवलित हुए लोगों के प्रति उन्होंने विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की तथा शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

महाकुंभ में मंत्रिपरिषद की बैठक ऐतिहासिक

महाकुम्भ प्रयागराज 2025 के शुभ अवसर पर पावन त्रिवेणी तट पर 22 जनवरी, 2025 को मंत्रिपरिषद की ऐतिहासिक बैठक भी आयोजित की गई, जिसमें प्रदेश हित में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।सदन के पटल पर रखे गए अभिभाषण में राज्यपाल ने कहा, मेरी सरकार में अब तक कोई साम्प्रदायिक दंगा या जातिगत संघर्ष की घटना नहीं हुई है। विभिन्न महत्वपूर्ण त्योहारों, मेलों, जलूसों, शोभा यात्राओं व धार्मिक आयोजनों के साथ–साथ विभिन्न निर्वाचनों को शांतिपूर्ण ढंग से सकुशल संपन्न कराए जाने में सफलता प्राप्त हुई है।

चलाया गया ऑपरेशन कन्विक्शन

ऑपरेशन कन्विक्शन के अन्तर्गत जुलाई, 2023 से दिसम्बर, 2024 तक 51 अभियुक्तों को मृत्युदण्ड, 6 हजार 287 अभियुक्तों को आजीवन कारावास, 1 हजार 91 अभियुक्तों को 20 वर्ष से अधिक की सजा, 3 हजार 868 अभियुक्तों को 10 से 19 वर्ष तक की सजा, 5 हजार 788 अभियुक्तों को 05 से 09 वर्ष की सजा एवं 51 हजार 748 अभियुक्तों को 05 वर्ष से कम की सजा से दण्डित कराया गया है। उन्होंने कहा कि नवम्बर, 2019 से अब तक चिन्हित माफिया या गैंग के सदस्यों के विरुद्ध विचाराधीन मुकदमों की न्यायालयों में प्रभावी पैरवी करते हुए 31 माफिया व 74 सह–अपराधियों को अलग–अलग अभियोगों में आजीवन कारावास/कारावास व अर्थदण्ड से दण्डित कराया गया, जिसमें से 02 को मृत्युदण्ड की सजा हुई। इसके अतिरिक्त, अवैध रूप से अर्जित बेनामी सम्पत्तियों को चिन्हित माफिया अपराधियों से मुक्त कराकर 4 हजार 74 करोड़ रुपए से अधिक की सम्पत्ति का जब्तीकरण/ध्वस्तीकरण एवं अवैध कब्जे से मुक्त कराते हुए 141 अरब से अधिक मूल्य की चल–अचल सम्पतियों को राज्य सरकार में निहित किया गया।

नए कानूनों को सफलतापूर्वक किया गया लागू

प्रदेश में भारतीय न्याय संहिता–2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता–2023 व भारतीय साक्ष्य अधिनियम–2023 को 01 जुलाई, 2024 से सफलतापूर्वक लागू कर दिया गया है, जिसमें अब तक लगभग 02 लाख 50 हजार से अधिक मुकदमे पंजीकृत किए गए हैं। इसके साथ ही, महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तीकरण के लिए

विभिन्न अभियान जैसे मिशन शक्ति–5.0, ऑपरेशन गरुड़, ऑपरेशन शील्ड, ऑपरेशन डिस्ट्रॉय, ऑपरेशन बचपन, ऑपरेशन खोज, ऑपरेशन ईगल, ऑपरेशन रक्षा इत्यादि सफलतापूर्वक संचालित किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि ऑपरेशन त्रिनेत्र के अंतर्गत सभी थानों में अब तक 11 लाख से अधिक सीसीटीवी कैमरे स्थापित कर दिए गए हैं। वर्ष 2017 की तुलना में वर्ष 2024 में अभूतपूर्व सुधार करते हुए यूपी–112 का रिस्पांस टाइम 25 मिनट 42 सेकेंड से घटाकर 07 मिनट 24 सेकेंड कर दिया गया है।

सभी 75 जनपदों में साइबर क्राइम थाने स्थापित

साइबर क्राइम को कंट्रोल करने के लिए योगी सरकार के प्रयासों का उल्लेख करते हुए राज्यपाल ने कहा कि साइबर क्राइम की विवेचना के लिए वर्ष 2017 से पूर्व 02 थाने थे।

वर्तमान सरकार द्वारा समस्त 75 जनपदों में साइबर क्राइम थाने स्थापित करते हुए साइबर अपराध पर नियंत्रण किया जा रहा है। ट्विटर पर प्राप्त शिकायतों को संज्ञान में लेकर वर्ष 2017 से अब तक 21 हजार 655 एफआईआर पंजीकृत किए गए हैं। अपराधों को रोकने के लिए एसटीएफ द्वारा वर्ष 2017 से अब तक 653 जघन्य अपराध घटित होने से पूर्व ही रोक लिए गए हैं। एटीएस द्वारा वर्ष 2017 से अब तक 130 आतंकवादी एवं 171 रोहिंग्या/बांग्लादेशी व सहयोगियों की गिरफ्तारी की गई है।

सुदृढ़ सुरक्षा व्यवस्था के लिए बढ़ाया जा रहा मैनपावर

सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में मैनपावर बढ़ाने के लिए योगी सरकार जो प्रयास कर रही है, राज्यपाल ने अपने अभिभाषण में उसका भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा वर्ष 2017 के बाद विभिन्न पदों पर 01 लाख 56 हजार से अधिक भर्ती की गईं तथा 01 लाख 49 हजार से अधिक कर्मियों को प्रोन्नति प्रदान की गई है। वर्तमान में अराजपत्रित श्रेणी के 92 हजार 919 पदों पर भर्ती हेतु कार्यवाही प्रचलित है।

एक्सप्रेस वे पर रहा विशेष जोर

उत्तर प्रदेश, देश में एक्सप्रेसवे प्रदेश के रूप में भी जाना जाता है। वर्तमान में प्रदेश सरकार द्वारा निर्मित चार बड़े एक्सप्रेस–वे (यमुना एक्सप्रेस–वे, आगरा–लखनऊ एक्सप्रेस–वे, पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे तथा बुंदेलखंड एक्सप्रेस–वे) संचालित हैं। इसके अतिरिक्त प्रदेश का सबसे लम्बा एक्सप्रेस–वे गंगा एक्सप्रेस–वे तथा गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस–वे निर्माणाधीन है। देश के कुल एक्सप्रेस–वे नेटवर्क में उत्तर प्रदेश की सर्वाधिक हिस्सेदारी है।

लॉजिस्टिक कॉस्ट को कम करने के लिए हो रहा नए एक्सप्रेसवे का निर्माण

चित्रकूट लिंक एक्सप्रेसवे, आगरा–लखनऊ एक्सप्रेस–वे को पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे से जोड़ने वाला लिंक एक्सप्रेस–वे, बुंदेलखण्ड एक्सप्रेस–वे एवं आगरा–लखनऊ एक्सप्रेस–वे को वाया फर्रुखाबाद, गंगा एक्सप्रेस–वे से जोड़ने वाला लिंक एक्सप्रेस–वे तथा जेवर एयरपोर्ट लिंक एक्सप्रेस–वे के निर्माण के लिए कार्य गतिमान है। उन्होंने बताया कि सरकार प्रदेश के अन्दर कनेक्टिविटी को बढ़ाने तथा लॉजिस्टिक कॉस्ट को कम करने के लिए नए एक्सप्रेस–वे के निर्माण के लिए कार्रवाई कर रही है, इसमें 320 किलोमीटर लंबा विंध्य एक्सप्रेस–वे (प्रयागराज– मीरजापुर – वाराणसी – चंदौली

– सोनभद्र)। चंदौली से गाजीपुर होते हुए पूर्वांचल लिंक एक्सप्रेसवे को जोड़ने के लिए स्पर का निर्माण। बुंदेलखंड एक्सप्रेस–वे को चित्रकूट से प्रयागराज होते हुए रीवा मार्ग से जोड़ने के लिए एक्सप्रेस–वे का निर्माण और गंगा एक्सप्रेस–वे को मेरठ से हरिद्वार को जोड़ने के लिए एक्सप्रेस–वे का निर्माण शामिल है।

यूपी डिफेन्स इण्डस्ट्रियल कॉरिडोर का किया उल्लेख

यूपी डिफेन्स इण्डस्ट्रियल कॉरिडोर के झांसी नोड में भारत डायनेमिक्स लिमिटेड, कानपुर नोड में अडानी डिफेंस सिस्टम एण्ड टेक्नोलॉजी, अलीगढ़ में एंकर रिसर्च लैब्स, लखनऊ में डीआरडीओ ब्रम्होस एयरोस्पेस शमिल हैं, जिनमें लगभग साढ़े 9 हजार करोड़ का निवेश सम्भावित है। इसके साथ ही सरकार द्वारा यमुना एक्सप्रेसवे प्राधिकरण क्षेत्र में सेमीकण्डक्टर पार्क, डेटा सेन्टर पार्क, इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिजाइन एवं मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर विकसित किए जा रहे हैं।

पांच इंटरनेशनल एयरपोर्ट वाला प्रदेश बन जाएगा यूपी

अन्य प्रमुख आगामी परियोजनाओं की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि ग्रेटर नोएडा निवेश क्षेत्र में एविएशन हब, एमआरओ–कार्गा कॉम्प्लेक्स, आगरा और प्रयागराज में इण्टीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर, गोरखपुर में प्लास्टिक पार्क, गाजियाबाद, लखनऊ, कानपुर नगर, गोरखपुर व हापुड़ में केमिकल और फार्मा पार्क जैसे सेक्टर विशिष्ट पार्क भी शामिल हैं। उन्होंने एवियेशन सेक्टर का भी उल्लेख किया, जिसमें जहां वर्ष 2017 से पहले मात्र 4 आपरेशनल एयरपोर्ट–लखनऊ, वाराणसी, गोरखपुर एवं आगरा थे, जो वर्तमान में बढ़कर 16 हो गये हैं। उन्होंने बताया कि 2017 से अब तक कुशीनगर एवं अयोध्या में अन्तरराष्ट्रीय हवाई अड्डों का निर्माण कार्य पूर्ण कर इन्हें संचालित किया जा रहा है। गौतमबुद्ध नगर के जेवर में विश्वस्तरीय अन्तरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का शीघ्र ही संचालन हो जाने से प्रदेश में पांच इंटरनेशनल एयरपोर्ट हो जाएंगे।

राज्यपाल ने कहा कि उत्तर प्रदेश की ग्रामीण महिलाएं अब केवल गृहिणी नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर कारीगर और उद्यमी भी बन रही हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए कई योजनाएं चला रही है। इसका प्रभाव यह हुआ है कि राज्य की महिलाएं उपभोक्ता से उत्पादक बनकर समाज में बदलाव की वाहक बन रही हैं। विशेष रूप से उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (यूपीएसआरएलएम) के अंतर्गत गठित स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं ने आत्मनिर्भरता की ओर एक महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है।

ग्रामीण महिलाएं अब उपभोक्ता ही नहीं, बल्कि बन रही बदलाव की वाहक

योगी सरकार प्रदेश की महिलाओं को सशक्त और स्वावलंबी बनाने के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित कर रही है। सरकार के प्रयासों का सार्थक परिणाम भी सामने आने लगा है। प्रदेश की महिलाएं अब सिर्फ उपभोक्ता नहीं, बल्कि बदलाव की वाहक बन चुकी हैं। मनरेगा साइटों पर सिटीजन

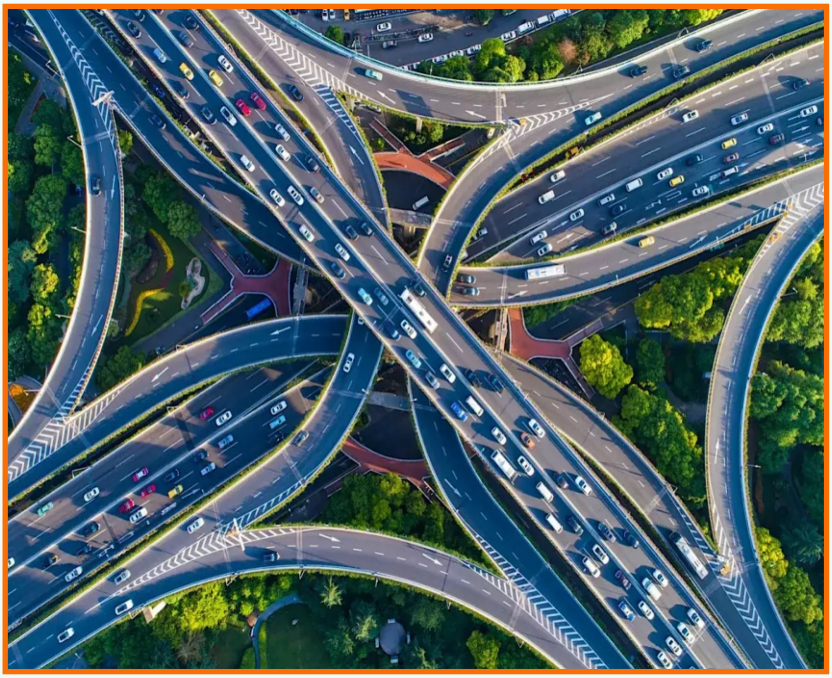

इनफार्मेशन बोर्ड (CIB) के निर्माण ने महिलाओं के लिए आय का एक नया स्रोत खोल दिया है। वित्तीय वर्ष 2023–24 में 1100 से अधिक स्वयं सहायता समूहों की 5000 से ज्यादा महिलाओं ने 5 लाख से अधिक CIB बोर्ड बनाए। वर्तमान वित्तीय वर्ष 2024–25 में अब तक 5465 महिलाओं द्वारा लगभग 3.76 लाख बोर्ड तैयार किए जा चुके हैं। योगी सरकार ने सुनिश्चित किया है कि मनरेगा के तहत बनने वाली सभी परिसंपत्तियों के लिए CIB बोर्ड की आपूर्ति स्वयं सहायता समूहों से ही कराई जाए, जिससे महिलाओं को स्थायी रोजगार और आत्मनिर्भरता का अवसर मिल रहा है।

विद्युत सखी योजना के तहत महिलाओं ने प्राप्त की ऐतिहासिक उपलब्धि

राज्य सरकार की विद्युत सखी योजना के तहत स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने वित्तीय वर्ष 2024–25 में 790 करोड़ रुपये का बिजली बिल संग्रह किया है। अब तक इस योजना से जुड़ी महिलाओं ने कुल 1,600 करोड़ रुपये का राजस्व संग्रह कर लिया है। दिसंबर 2024 और जनवरी 2025 में ओटीएस योजना के तहत 303 करोड़ रुपये के बिजली बिल संग्रह पर 3.5 करोड़ रुपये का कमीशन महिलाओं को मिला। इस योजना से महिलाओं को न केवल आर्थिक मजबूती मिली है, बल्कि वे समाज में आत्मनिर्भरता की मिसाल भी पेश कर रही हैं।

वित्तीय वर्ष 2024 में विद्युत सखी कार्यक्रम के तहत 438 महिलाओं ने 'लखपति दीदी' बनने का गौरव प्राप्त किया। इन महिलाओं ने कठिन परिश्रम और आत्मनिर्भरता के दम पर एक नई सफलता हासिल की। चालू वित्त वर्ष में विद्युत सखियों को कुल 10 करोड़ रुपये का कमीशन मिला है। इस सफलता को देखते हुए यूपीएसआरएलएम ने सीईईडब्ल्यू और एसआईआरडी–यूपी के सहयोग से 13,500 नई विद्युत सखियों को प्रशिक्षित किया है, जिससे प्रदेश में 31,000 विद्युत सखियों का कार्यबल तैयार किया जा सके।

बलिनी मिल्क प्रोड्यूसर कंपनी से महिलाओं का सशक्तिकरण

राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत बुंदेलखंड में संचालित बलिनी मिल्क प्रोड्यूसर कंपनी ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाने का एक सफल उदाहरण है। यह कंपनी दुग्ध उत्पादकों से दूध एकत्र कर संरक्षित कर बेचती है, जिससे महिलाओं को सीधा लाभ मिल रहा है। कंपनी के तहत बुंदेलखंड के सात जिलों के 1,120 गांवों में 71,000 महिलाएं प्रतिदिन 2.40 लाख लीटर दूध का संग्रह कर रही हैं। अब तक 1,250 करोड़ रुपये का कारोबार किया जा चुका है, जिसमें से 1,046 करोड़ रुपये का भुगतान पूर्ण हुआ और 24 करोड़ रुपये का लाभांश अर्जित किया गया। इस योजना के तहत 13,600 महिलाएं 'लखपति दीदी' बन चुकी हैं।

प्राकृतिक खेती के जरिये आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रही यूपी की महिलाएं

राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए युद्ध स्तर पर कार्य किया जा रहा है। ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार की लखपति महिला योजना के अंतर्गत उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन का लक्ष्य 30 लाख स्वयं सहायता समूह की सदस्यों की वार्षिक पारिवारिक आय को एक लाख रुपये से अधिक करना है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए महिलाओं द्वारा विभिन्न आर्थिक गतिविधियों को अपनाया जा रहा है। विशेष रूप से, कृषि प्रथाओं को प्राकृतिक एवं जैविक खेती की ओर उन्मुख करने के लिए कृषि सखियों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। प्रदेश में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए 10 हजार कृषि सखियों के प्रशिक्षण का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें से अब तक 8,157 सखियों का प्रशिक्षण पूरा हो चुका है। उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (यूपीएसआरएलएम) के तहत दीनदयाल अंत्योदय योजना (डे–एनआरएलएम) के अंतर्गत गठित स्वयं सहायता समूह की महिलाओं में से चयनित 21 से 45 वर्ष की आयु की, कृषि में रुचि रखने वाली महिलाओं को कृषि आजीविका सखी के रूप में प्रशिक्षित किया जाता है। ये सखियां संगठन निर्माण, कृषि आधारित आजीविका, अनुश्रवण और सामुदायिक कृषि विकास के क्षेत्र में अपनी भूमिका निभा रही हैं, जिससे ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने में सहायता मिल रही है।

संघर्ष से सफलता तक का सफर तय कर रही महिलाएं

उत्तर प्रदेश की कई महिलाएं अपने मेहनत और संकल्प के बल पर आत्मनिर्भरता की नई मिसाल कायम कर रही हैं। सोनभद्र की विनीता ने डेयरी उद्योग से जुड़कर प्रतिदिन 10,000–12,000 रुपये का दूध बेचकर अपने परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत की। गौतम बुद्ध नगर की सीमा ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्रेरणा कैंटीन की शुरुआत कर हर महीने 36,000–40,000 रुपये की कमाई कर रही हैं। बिजनौर की सरिता दुबे ने ब्यूटी पार्लर व्यवसाय शुरू किया, जबकि देवरिया की मीना देवी ने गोबर से बने उत्पादों का निर्माण कर सालाना 1.5–2 लाख रुपये की कमाई की।

सोनभद्र की शकुंतला मौर्या ने ड्रैगन फ्रूट की खेती से 1 लाख रुपये से अधिक का मुनाफा कमाया, जबकि संजू कुशवाहा ने बकरी के दूध से साबुन बनाकर 3.5 लाख रुपये की आय अर्जित की और 300 से अधिक महिलाओं को प्रशिक्षण देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाया। ललिता शर्मा ने डेयरी उद्योग में सफलता हासिल की, वहीं मेरठ की संगीता तोमर ने विद्युत सखी के रूप में 50,000 रुपये मासिक आय अर्जित कर अपने समुदाय की महिलाओं के लिए मार्गदर्शक बनीं।

योगी सरकार के प्रयासों से ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बना रही योजनाएं

योगी सरकार द्वारा महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए चलाई जा रही योजनाएं एक सफल मॉडल बनकर उभरी हैं। महिलाओं को स्वरोजगार और उद्यमिता के लिए प्रोत्साहित किया गया है, जिससे वे न केवल आर्थिक रूप से स्वतंत्र बनीं, बल्कि अपने परिवार और समुदाय की समृद्धि में भी योगदान दे रही हैं। सरकार की योजनाओं और महिलाओं की दृढ़ इच्छाशक्ति ने साबित कर दिया है कि सही संसाधन और मार्गदर्शन मिले तो महिलाएं किसी भी चुनौती का सामना कर सकती हैं और अपने सपनों को साकार कर सकती हैं।

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने बताया कि सरकार के प्रयासों और पहलों से प्रदेश ने विभिन्न योजनाओं में नंबर वन स्थान हासिल किया है। उन्होंने कहा, मेरी सरकार के सुनियोजित प्रयासों, प्रभावी कार्यान्वयन व सतत अनुश्रवण से उत्तर प्रदेश, देश में विभिन्न योजनाओं में प्रथम स्थान पर है। इनमें पर्यटन के साथ–साथ गैस कनेक्शन देने, किसानों को सम्मान देने, स्वच्छता और अपराधियों को सजा दिलाने में उत्तर प्रदेश की उपलब्धियों का पूरा विवरण प्रस्तुत किया गया।

इन योजनाओं में नंबर वन है उत्तर प्रदेश

- सरकार के अथक प्रयासों से उत्तर प्रदेश धार्मिक, आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों तथा पर्यटकों को आकर्षित करने में देश में शीर्ष स्थान पर है।
- प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण एवं शहरी) के अन्तर्गत आवास निर्माण में उत्तर प्रदेश, देश में प्रथम स्थान पर है।
- प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के क्रियान्वयन में उत्तर प्रदेश, देश में प्रथम स्थान पर है।
- प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना में 01 करोड़ 85 लाख निःशुल्क गैस कनेक्शन देकर उत्तर प्रदेश, देश में प्रथम।
- पीएम स्वनिधि योजना के अंतर्गत स्ट्रीट वेण्डर्स को सर्वाधिक ऋण देकर उत्तर प्रदेश, देश में प्रथम।
- स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) में स्वच्छ शौचालय निर्माण कर उत्तर प्रदेश, देश में प्रथम।
- महिलाओं के विरुद्ध अपराधों में सजा दिलाने में उत्तर प्रदेश, देश में प्रथम।
- ईज ऑफ डुईंग बिजनेस में उत्तर प्रदेश अचीवर्स स्टेट।
- 96 लाख से अधिक सूक्ष्म, लघु तथा मध्यम उद्योगों की स्थापना कर उत्तर प्रदेश देश में प्रथम।
- प्रधानमंत्री जनधन योजना के अंतर्गत उत्तर प्रदेश 9 करोड़ 57 लाख खातों के साथ देश में प्रथम स्थान पर है।
- प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के अंतर्गत 6 करोड़ 52 लाख नामांकन के साथ उत्तर प्रदेश, देश में प्रथम स्थान पर है।
- प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के अंतर्गत 2 करोड़ 28 लाख नामांकन के साथ उत्तर प्रदेश, देश में प्रथम स्थान पर है।
- अटल पेंशन योजना के अन्तर्गत 1 करोड़ 12 लाख नामांकन के साथ उत्तर प्रदेश, देश में प्रथम स्थान पर है।
- कृषि निवेशों पर किसानों को देय अनुदान डीबीटी के माध्यम से भुगतान करने वाला देश में उत्तर प्रदेश पहला राज्य बना।
- तृतीय राष्ट्रीय जल पुरस्कार में उत्तर प्रदेश को देश में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ।
- गन्ना एवं चीनी, खाद्यान्न, आम, दुग्ध, आलू, शीरा उत्पादन में उत्तर प्रदेश का देश में लगातार प्रथम स्थान।
- देश में एथेनॉल के उत्पादन व आपूर्ति करने में उत्तर प्रदेश प्रथम स्थान पर है।
- ई–मार्केट प्लेस (जेम) के अन्तर्गत सर्वाधिक सरकारी क्रय करने वाला उत्तर प्रदेश देश का पहला राज्य बना।
- क्रेता–विक्रेता गौरव सम्मान समारोह–2023 में प्रदेश को 06 श्रेणियों में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ।
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के क्रियान्वयन की कार्ययोजना विकसित करने में देश में उत्तर प्रदेश अग्रणी।
- कौशल विकास नीति को लागू करने वाला उत्तर प्रदेश प्रथम राज्य।
- एनपीएस ट्रेडर्स के अंतर्गत कामगारों का पंजीयन कराने में उत्तर प्रदेश, देश में प्रथम स्थान पर।

ये भी रहीं उपलब्धियां

- अयोध्या में आयोजित दीपोत्सव–2024 में 25 लाख 12 हजार 585 दीप प्रज्ज्वलित कर पुनः गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज।
- वृक्षारोपण अभियान के अन्तर्गत प्रदेश में इस वर्ष 36 करोड़ 51 लाख पौधों का रिकॉर्ड पौधरोपण।
- वित्तीय वर्ष 2023–24 में भारत सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश को देश के सर्वश्रेष्ठ अंतर स्थलीय मात्स्यिकीय राज्य का पुरस्कार प्रदान किया गया।
- भारत सरकार द्वारा आयोजित इण्डिया स्मार्ट सिटीज अवॉर्ड कॉन्टेस्ट–2022 में विभिन्न श्रेणियों में उत्तर प्रदेश को कुल 10 पुरस्कार प्राप्त हुए हैं।

इसके अतिरिक्त भारत सरकार द्वारा प्रायोजित 9वीं स्मार्ट सिटी एक्सपो में कानपुर को पालिका स्पोर्ट स्टेडियम के आधुनिकीकरण व विकास कार्य हेतु बेस्ट हेरिटेज एण्ड हिस्टोरिक आर्किटेक्चर एण्ड लैण्ड मार्क प्रेजेन्टेशन अवार्ड प्राप्त हुआ है।

स्पेस साइंस भारत की बढ़ती ताकत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 'मन की बात' के 119वें एपिसोड में देशवासियों को संबोधित किया। इस दौरान पीएम ने स्पेस सेक्टर, AI, वन्य जीव संरक्षण और स्वास्थ्य संबंधी जरूरी विषयों पर बात की। नई दिल्लीः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज 'मन की बात' के 119वें एपिसोड को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि इन दिनों चैंपियंस ट्रॉफी चल रही है और हर तरफ क्रिकेट का माहौल है। क्रिकेट में सेंचुरी का रोमांच क्या होता है, ये तो हम सब भली–भांति जानते हैं, लेकिन आज मैं, आप सबसे क्रिकेट नहीं, बल्कि भारत ने स्पेस में जो शानदार सेंचुरी बनाई है उसकी बात करने वाला हूं।

पीएम मोदी ने कहा, पिछले महीने देश इसरो (ISRO) के 100वें रॉकेट की लॉचिंग के साक्षी बने हैं। यह केवल एक नंबर नहीं है, बल्कि इससे स्पेस साइंस में नित नई ऊंचाइयों को छूने के हमारे संकल्प का भी पता चलता है। हमारी स्पेस यात्रा की शुरूआत बहुत ही सामान्य तरीके से हुई थी। इसमें कदम–कदम पर चुनौतियां थीं, लेकिन हमारे वैज्ञानिक, विजय प्राप्त करते हुए, आगे बढ़ते ही गए। समय के साथ अंतरिक्ष की इस उड़ान में हमारी सफलताओं की लिस्ट काफी लंबी होती चली गई।

पीएम ने कहा, लॉन्च व्हिकल का निर्माण हो, चंद्रयान की सफलता हो, मंगलयान हो, आदित्य L–1 या फिर एक ही रॉकेट से, एक ही बार में, 104 सैटेलाइट को स्पेस में भेजने का अभूतपूर्व मिशन हो – इसरो (ISRO) की सफलताओं का दायरा काफी बड़ा रहा है। बीते 10 वर्षों में ही करीब 460 सैटेलाइट लॉन्च की गई हैं और इसमें दूसरे देशों की भी बहुत सारी सैटेलाइट शामिल हैं। हाल के वर्षों की एक बड़ी बात ये भी रही है कि स्पेस साइंस की हमारी टीम में नारी–शक्ति की भागीदारी लगातार बढ़ रही है।

पीएम मोदी ने कहा, आने वाले कुछ ही दिनों में हम नेशनल साइंस डे मनाने जा रहे हैं। हमारे बच्चों का, युवाओं का साइंस में इंटरेस्ट और पेशन होना बहुत मायने रखता है। इसे लेकर मेरे पास एक आइडिया है, जिसे आप 'One Day as a Scientist' कह सकते हैं, यानि, आप अपना एक दिन वैज्ञानिक के रूप में, बिताकर देखें। आप अपनी सुविधा के अनुसार, अपनी मर्जी के अनुसार, कोई भी दिन चुन सकते हैं। उस दिन आप किसी रिसर्च लैब, Planetarium या फिर स्पेस सेंटर जैसी जगहों पर जरूर जाएं। इससे साइंस को लेकर आपकी जिज्ञासा और बढ़ेगी।

स्पेस और साइंस की तरह एक और क्षेत्र है, जिसमें भारत तेजी से अपनी मजबूत पहचान बना रहा है। ये क्षेत्र है AI यानि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस। हाल ही में, मैं AI के एक बड़े सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए पेरिस गया था। वहां दुनिया ने इस सेक्टर में भारत की प्रगति की खूब सराहना की। हमारे देश के लोग आज AI का उपयोग किस–किस तरह से कर रहे हैं, इसके उदाहरण भी हमें देखने को मिल रहे हैं।

पीएम ने कहा, तेलंगाना में आदिलाबाद के सरकारी स्कूल के एक टीचर थोडासम कैलाश हैं। डिजिटल गीत–संगीत में उनकी दिलचस्पी हमारी कई ट्राइबल लैंग्वेज को बचाने में बहुत महत्वपूर्ण काम कर रही है। उन्होंने AI टूल्स की मदद से कोलामी भाषा में गाना compose कर कमाल कर दिया है। वे AI का उपयोग कोलामी के अलावा भी कई और भाषाओं में गीत तैयार करने के लिए कर रहे हैं। Social media पर उनके जतंबा हमारे आदिवासी भाई–बहनों को खूब पसंद आ

है। बीते वर्षों में मोटापे के मामले दोगुने हो गए हैं, लेकिन, इससे भी ज्यादा चिंता की बात यह है कि बच्चों में भी मोटापे की समस्या चार गुणा बढ़ गई है।

उन्होंने कहा, हम सब मिलकर छोटे–छोटे प्रयासों से इस चुनौती से निपट सकते हैं, जैसे एक तरीका मैंने सुझाया था, "खाने के तेल में दस पर्सेन्ट (10%) की कमी करना"। आप तय कर लीजिए कि हर महीने 10% कम तेल उपयोग करेंगे। आप तय कर सकते हैं कि जो तेल खाने के लिए खरीदा जाता है, खरीदते समय ही अब 10% कम ही खरीदेंगे। ये व्इमेपजल कम करने की दिशा में एक अहम कदम होगा।

पीएम ने कहा, हमारे यहां वनस्पति और जीव–जंतुओ का एक बहुत ही Vibrant Eco-System है, और ये वन्य जीव, हमारे इतिहास और संस्कृति में रचे–बसे हुए हैं। कई जीव–जन्तु हमारे देवी–देवताओं की सवारी के तौर पर भी देखे जाते हैं। मध्य भारत में कई जन–जातियां बाघेश्वर की पूजा करती हैं। महाराष्ट्र में वाघोबा के पूजन की परंपरा रही है। भगवान अयप्पा का भी बाघ से बहुत गहरा नाता है। सुंदरवन में बोनबीबी की पूजा–अर्चना होती है, जिनकी सवारी बाघ है। हमारे यहां कर्नाटका के हुली वेशा, तमिलनाडु के पूली और केरला के पुलिकली जैसे कई Cultural Dances हैं, जो Nature और Wild Life के साथ जुड़े हुए हैं। अगले महीने की शुरुआत में हम World Wildlife Day मनाएंगे। मेरा आग्रह है कि आप wildlife protection से जुड़े लोगों का हौसला जरूर बढ़ाएं। यह मेरे लिए बहुत संतोष की बात है कि इस क्षेत्र में अब कई Start-up भी उभरकर सामने आए हैं।

'मन की बात' कार्यक्रम की शुरुआत 3 अक्टूबर 2014 को हुई थी, और तब से यह आम लोगों के बीच काफी लोकप्रिय है। पीएम मोदी इसके जरिए सामाजिक जागरूकता, शिक्षा, स्वच्छता, खेल, विज्ञान और तकनीकी क्षेत्र में उपलब्धियों, सरकार की विकास योजनाओं, और भारत की वैश्विक स्थिति जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करते हैं। न केवल बड़े राष्ट्रीय मुद्दों पर बात होती है, बल्कि स्थानीय और सामाजिक परिवर्तन को लेकर हो रही कोशिशों का भी जिक्र होता है।

रहे हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि इस बार महिला दिवस पर मैं एक ऐसी पहल करने जा रहा हूं। जो हमारी नारी–शक्ति को समर्पित होगी। इस विशेष अवसर पर मैं अपने सोशल मीडिया अकाउंट जैसे एक्स, इंस्टाग्राम के अकाउंट्स उनको देश की कुछ inspiring women को, एक दिन के लिए सौंपने जा रहा हूं। ऐसी महिलाएं जिन्होंने अलग–अलग क्षेत्रों में उपलब्धियां हासिल की हैं, innovation किया है, अलग–अलग क्षेत्रों में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। 8 मार्च को वो अपने कार्य और अनुभवों को देशवासियों के साथ साझा करेंगी।

प्रधानमंत्री ने कहा, उत्तराखंड अब देश में strong sporting force के रूप में भी उभर रहा है। उत्तराखंड के खिलाड़ियों ने भी शानदार प्रदर्शन किया। इस बार उत्तराखंड 7वें स्थान पर रहा। यही तो खेल का ताकत है, जो individuals और communities के साथ–साथ पूरे राज्य का कायाकल्प कर देती है। इससे जहां भावी पीढ़ियाँ प्रेरित होती हैं, वहीं culture of excellence को भी बढ़ावा मिलता है।

पीएम ने देश में बढ़ते मोटापे की समस्या को उठाया। उन्होंने कहा, एक फिट और हेल्दी नेशन बनने के लिए हमें मोटापे की समस्या से निपटना ही होगा। एक स्टडी के मुताबिक आज हर आठ में से एक व्यक्ति मोटापे की समस्या से परेशान

मृत्युंजय दीक्षित

आस्था व विकास को समर्पित बजट

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने वर्ष 2025 –26 के लिए सनातन को समर्पित करते हुए सामाजिक सरोकारों वाला व्यापक बजट प्रस्तुत किया है जिसमें समाज के प्रत्येक वर्ग तथा जीवन के हर क्षेत्र का ध्यान रखा गया है। सर्वसमावेशी होने के कारण छात्र, किसान, व्यापारी, महिलाएं, विषय विशेषज्ञ और उद्योगपति सभी इस बजट की सराहना कर रहे हैं। बजट में धर्मस्थलों के विकास व पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए पर्याप्त धन दिया गया है। प्रदेश सरकार के बजट में हर उस क्षेत्र तक पहुंच बनाने का प्रयास किया गया है जो आर्थिक विकास की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। बजट में अयोध्या, मथुरा, नैमिषारण्य और चित्रकूट जैसे धार्मिक स्थलों पर विशेष ध्यान दिया गया है।

प्रदेश के वित्तमंत्री सुरेश खन्ना ने बजट भाषण का प्रारम्भ महाकुंभ के आयोजन से किया और फिर धर्मस्थलों के विकास के लिए अपना खजाना खोल दिया।

श्री काशी विश्वनाथ धाम कॉरिडोर व मां विन्ध्यवासिनी कॉरिडोर की स्थापना के बाद सरकार मथुरा में श्री बांकेबिहारी जी महाराज मंदिर, मथुरा –वृंदावन कॉरिडोर का निर्माण करायेगी। इसके लिए भूमि उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए 100 करोड़ और निर्माण के लिए 50 करोड़ रु. का प्रावधान किया गया है। नैमिषारण्य में वेद विज्ञान केंद्र की स्थपना के लिए 100 करोड़ रु. खर्च किये जायेंगे। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए पहले ही 25 करोड़ बजट के साथ पांच एकड़ भूमि आवंटित की जा चुकी है। इस अंतरराष्ट्रीय स्तर के केंद्र में वैदिक पर्यावरण, वैदिक गणित, वैदिक विधिशास्त्र, वैदिक योग विज्ञान, वैदिक वन औषधियां वनस्पति आदि पाठ्यक्रम होंगे। यहां पर बड़े वैदिक पुस्तकालय का भी निर्माण कराया जाएगा, साथ ही वेदशाला,वैदिक संग्रहालय, तारा मंडल, संगोष्ठी कक्ष बनाये जाएंगे। केंद्र में गुरुकुल व आधुनिक पद्धति के अंतर्गत कक्षाएं बनायी जायेंगी।

मुख्यमंत्री पर्यटन स्थल विकास योजना के तहत 400 करोड़ रु. खर्च किये जायेंगे। अयोध्या में पर्यटन अवस्थापना विकास के लिए 150 करोड़ रु. का प्रावधान किया गया है। इसी तरह मथुरा में 125 करोड़ नैमिषारण्य मे 100 करोड़ चित्रकूट में 50 करोड़ खर्च करने का प्रावधान किया गया है। मिर्जापुर में मां विन्ध्यवासिनी मंदिर, मां अष्टभुजा मंदिर मां काली खोह मंदिर के परिक्रमा पथ व जनसुविधा स्थलों का विकास किया जायेगा। संरक्षित मंदिरो के जीर्णोद्वार के लिए 30 करोड़, महाभारत सर्किट के पर्यटन विकास के लिए 10 करोड़, जैन सर्किट के विकास के लिए भी धन उपलब्ध कराया गया है। विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए भी धन का प्रावधान किया गया है। गुरुस्वामी हरिदास की स्मृति में अंतरराष्ट्रीय संगीत समारोह के लिए एक करोड़ और अयोध्या में जिला स्वतंत्रता संग्राम संग्रहालय के लिए भी एक करोड़ की धनराशि रखी गई है। योगी सरकार ने वर्तमान बजट से धार्मिक पर्यटन के माध्यम से सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की लौ प्रदीप्त की है।

बजट में महापुरुषों पर भी ध्यान दिया गया है जिसके अंतर्गत बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर के नाम पर लखनऊ में स्मारक और सांस्कृतिक केंद्र की स्थापना की जाएगी। इसके साथ ही हर जिले में 100 एकड़ में पीपीपी मॉडल पर सरदार पटेल जनपदीय आर्थिक

क्षेत्र स्थापित किया जायेगा। संत कबीर के नाम पर 10 वस्त्रोद्योग पार्क तथा संत रविदास के नाम पर दो चर्मोद्योग स्थापित किये जाएंगे। पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी बाजपेयी के जन्म शताब्दी वर्ष में उनके सम्मान में नगरीय क्षेत्रों में पुस्तकालय की स्थापना की जाएगी।लखनऊ स्थित अटारी कृषि प्रक्षेत्र पर 251 करोड़ रु. की लागत से पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चरण सिंह के नाम पर सीड पार्क की स्थापना होगी। प्रत्येक कृषि मंडी में माता शबरी के नाम पर कैंटीन और विश्रामालाय स्थापित किये जायेंगे। बजट में युवाओं और छात्राओं को आकर्षित करने के लिए भी प्रावधान किये गये हैं। अब प्रदेश की हर मेधावी छात्रा को स्कूटी दी जायेगी छात्राओं के लिए 400 करोड़ रु. रानी लक्ष्मीबाई स्कूटी योजना का ऐलान किया गया है। यही नही माता अहिल्याबाई होल्कर के नाम पर श्रमजीवी महिलाओं के लिए छात्रावास भी बनेंगे।

प्रदेश के बजट में युवा उद्यमी अभियान के लिए भी 1000 करोड़ रु. का प्रावधान किया गया है। संपूर्ण उत्तर प्रदेश के व्यापक विकास का विस्तृत खाका बजट में रखा गया है। बजट के अनुसार अवध में केवल अयोध्या का ही विकास नहीं हो रहा अपितु अवध के हर जिले के विकास की अद्भुत पटकथा लिखी जायेगी। बजट के प्रावधान इस प्रकार से बनाये गये हैं कि एक प्रकार से यह आगामी 25 वर्षों के विकास का रोडमैप प्रस्तुत कर रहा है।

उत्तर प्रदेश में चार नए एक्सप्रेस वे के निर्माण से तीन तीर्थस्थलों काशी, प्रयागराज व हरिद्वार की यात्रा सरल हो जायेगी। चार नए एक्सप्रेस वे के लिए बजट में 1,050 करोड़ रु. की व्यवस्था कर दी गई है। गंगा एक्सप्रेस वे को प्रयागराज, मिर्जापुर, वाराणसी, चंदौली होते हुए सोनभद्र से जोड़ने के लिए विन्ध्य लिंक एक्सप्रेस वे का निर्माण किया जायेगा। इससे इस क्षेत्र के विकास की गति दोगुनी हो जायेगी व धार्मिक पर्यटन और बढ़ेगा।

विशेषज्ञों का मानना है कि यह युवाओं को रोजगार देने वाला बजट है। बजट में एमएसएमई, नई तकनीक, एआई व साइबर सुरक्षा का भी ध्यान रखा गया है। नए एक्सप्रेस–वे बनने से दूर की यात्रा आसान होगी। नए एक्सप्रेस वे बनने से व्यापार और निवेश को बढ़ावा मिलेगा। एआई सिटी बनाने की घोषणा से स्टार्टअप और आईटी उद्योग को बढ़ावा मिलेगा। प्रदेश का बजट इंफ्रास्टक्चर को बढ़ावा देने के साथ बेरोजगारों को रोजगारपरक बनाने वाला बजट है। यह बजट राज्य की तकनीकी प्रगति औद्योगिक विकास और स्वास्थ्य अवसंरचना के लिए प्रतिबद्धता को दर्शा रहा है। प्रदेश के बजट में सड़क राजमार्ग के चौड़ीकरण पर भी पर्याप्त फोकस किया गया है। इसका सर्वाधिक लाभ राजधानी लखनऊ व उसके आसपास के जिलों व कस्बों आदि को मिलेगा। मोहनलालगंज–गोसाईगंज होते हुए पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे निकल रहा है इसका चौड़ीकरण किया जायेगा। इसी तरह बनी से ही एक रोड हरौनी होते हुए मोहन को निकली है इसे भी दो लेन का किया जायेगा।

यह बजट समग्र विकास वाला बजट है। इसमें किसानों, उद्यमियों, महिलाओं और युवाओं के लिए अनेक प्रावधान किये गये हैं। बजट में कोरोना काल में अनाथ 1430 बच्चों को आर्थिक सहायता प्रादन करने के लिए 250 करोड़ रु. का प्रावधान किया गया है। बजट में सात सरोकारों पर्यावरण संरक्षण ,नारी सशक्तीकरण, जल सरंक्षण, सुशिक्षित समाज, जनसंख्या नियोजन, स्वस्थ समाज, गरीबी उन्मूलन पर भी ध्यान दिया गया है।पर्यावरण संरक्षण के लिए बजट का 23 प्रतिशत हिस्सा पर्यावरण अनुकूलन पहली पर खर्च किया जायेगा।

सरकार वनीकरण, कार्बन अवशोषण और पयार्वरण एवं प्राकृतिक संसाधनों के सरंक्षण को और अधिक बढ़ावा देने जा रही है। इसी प्रकार सुशिक्षित समाज के अंतर्गत शिक्षा क्षेत्र पर कुल बजट का 13 प्रतिशत हिस्सा खर्च किया जायेगा। इसी प्रकार स्वस्थ समाज के लिए कुल बजट का छह प्रतिशत हिस्सा स्वास्थ्य क्षेत्र पर खर्च होगा। प्रदेश में जलसंरक्षण को बढ़ावा देने के लिए 4500 करोड़ रु. की व्यवस्था की गई है। इसके अंतर्गत वर्षा जल संचयन एवं भूजल संवर्धन के लिए 90 करोड़ रु. की व्यवस्था प्रस्तावित है। इसमें तालाबों का जीर्णोद्धार तथा निर्माणा भी शामिल है। जनसंख्या नियोजन के अंतर्गत युवाओं को नवाचार से जोड़ने के लिए इनोवेशन फंड स्थापित किया जा रहा है। गरीबी उन्मूलन के लिए भी 250 करोड़ रु. की व्यवस्था प्रस्तावित है। बजट में सभी मंडल मुख्यालयों पर विकास प्राधिकरणों, नगर निकायों द्वारा कन्वेंशन सेंटर का निर्माण कराया जायेगा। ग्राम पंचायतों में वैवाहिक उत्सव एवं अन्य सामाजिक आयोजनों के लिए उत्सव भवन निर्माण की कार्ययोजना पर भी कार्य किया जायेगा।

यह बजट सभी वर्गो के लिए है अर्थात समग्रता पर आधारित है जिससे इसकी छाप वैश्विक होने जा रही है। प्रदेश की सुदृढ़ होती कानून –व्यवस्था से देश विदेश के निवेशक भी अब आकर्षित हो रहे हैं तथा प्रदेश में भारी निवेश भी हो रहा है। प्रदेश सरकार ने वर्तमान बजट से 2050 तक का लक्ष्य साधने का प्रयास किया है यही कारण है कि स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद यह अब तक का सबसे बड़ा बजट है जिसका सीधा अर्थ यह है कि विकास का लक्ष्य और पैमाना बहुत बड़ा है। यह तुष्टिकरण वाला बजट नहीं अपितु सभी के संतुष्टिकरण वाला बजट है।

आत्मनिर्भर भारत का संकल्प : भूपेन्द्र

चमड़ा और फुटवियर उद्योग में 22 लाख नए रोजगार सृजित होंगे और 1.1 लाख करोड़ रूपये का निर्यात होगा।

खिलौना उद्योग में 'मेड इन इंडिया' ब्रांड को वैश्विक स्तर पर पहचान मिलेगी।

बिहार में राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी संस्थान की स्थापना से खाद्य प्रसंस्करण उद्योग को बढ़ावा मिलेगा।

स्टार्टअप्स के लिए 10,000 करोड़ रूपये का अतिरिक्त योगदान दिया जाएगा ताकि नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा मिल सके।

बजट 2025–26 में भारत को आर्थिक शक्ति बनाने के लिए निवेश बढ़ाने पर जोर दिया गया है।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने भाजपा प्रदेश मुख्यालय पर प्रेसवार्ता को सम्बोधित करते हुये कहा कि...

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारामन ने संसद में केंद्रीय बजट 2025–26 प्रस्तुत किया, जो 'सबका साथ और सबका विकास' के लक्ष्य को समर्पित है। यह बजट विकसित भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसमें चार प्रमुख विकास इंजनों– कृषि, एमएसएमई, निवेश और निर्यात को केंद्र में रखा गया है। बजट में गरीबों, युवाओं, किसानों एवं महिलाओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए विकास उपायों को प्रस्तावित किया गया है।

देश के अन्नदाताओं की समृद्धि के बिना भारत का विकास अधूरा है। इसी उद्देश्य से प्रधानमंत्री धन–धान्य कृषि योजना शुरू की गई है, जिससे 100 जिलों के 1.7 करोड़ किसान लाभान्वित होंगे।

किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) की ऋण सीमा 3 लाख रूपये से बढ़ाकर 5 लाख कर दी गई है।

उच्च उपज बीज मिशन, कपास उत्पादकता मिशन और मखाना बोर्ड जैसी योजनाओं से किसानों को बेहतर बाजार मूल्य मिलेगा।

देश का हर छोटा उद्योग, हर स्टार्टअप भारत की नई अर्थव्यवस्था की नींव रख रहा है। सूक्ष्म उद्यम क्रेडिट कार्ड के तहत 10 लाख एमएसएमई को 5 लाख रूपये तक की ऋण सुविधा दी जाएगी।

21 लाख करोड़ रूपये के आवंटन से शहरों को विकास का केंद्र बनाया जाएगा।

अब तक 15 करोड़ परिवारों तक स्वच्छ पेयजल पहुँचाया गया है और इस मिशन की अवधि 2028 तक बढ़ा दी गई है।

समुद्री विकास निधि से 25,000 करोड रूपये की योजना के तहत भारत के बंदरगाहों और जहाज निर्माण उद्योग को बढ़ावा मिलेगा।

आईआईटी और आईआईएससी में 10,000 नई रिसर्च फेलोशिप दी जाएगी।

200 डे–केयर कैंसर सेंटर खोले जाएंगे, जिससे हर जिले में सस्ता और सुलभ इलाज मिलेगा।

परमाणु ऊर्जा मिशन 20,000 करोड रूपये के निवेश से 2033 तक 5 स्वदेशी छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर विकसित किए जाएंगे।

UDAN योजना के तहत 120 नए हवाई अड्डे बनाए जाएंगे और बिहार में ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट विकसित किया जाएगा।

निर्यात से भारत को वैश्विक शक्ति बनाने की पहल।

भारत की मेड इन इंडिया नीति अब पूरी दुनिया में अपनी छाप छोड़ रही है।

निर्यात संवर्धन मिशन के तहत भारत को निर्यात हब बनाने के लिए एक नई पहल प्रारम्भ की गयी।

एयर कार्गो के लिए भंडारण सुविधा बनाई जाएगी, जिससे कृषि और खाद्य उत्पादों का तेज निर्यात संभव होगा।

बजट में देश के करदाताओं एवं मध्यम वर्ग को बड़ी राहत।

देश के करदाताओं के लिए भी यह बजट राहत लेकर आया

है।

अब 12 लाख रूपये तक की वार्षिक आय पर कोई आयकर नहीं लगेगा।

टीडीएस की सीमा 2.4 लाख रूपये से बढ़ाकर 6 लाख रूपये कर दी गई है।

बजट में 36 जीवन रक्षक दवाओं को कस्टम ड्यूटी से छूट दी गई है।

हमारा लक्ष्य है सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास।

पीएम स्वनिधि योजना के तहत स्ट्रीट वेंडर्स के लिए 30,000 रूपये तक का यूपीआई–लिंक्ड क्रेडिट कार्ड दिया जाएगा।

50,000 अटल टिंकरिंग लैब्स बनाई जाएंगी, ताकि सरकारी स्कूलों में नवाचार को बढ़ावा मिले।

10,000 नई मेडिकल सीटों के साथ चिकित्सा शिक्षा का विस्तार होगा।

शिक्षा के क्षेत्र में एआई के केंद्र स्थापित किये जाएगें। जो 500 करोड़ रुपये की लागत से विकसित होंगे।

यह बजट सिर्फ आंकड़ों का नहीं, आत्मनिर्भर भारत का संकल्प है। यह हर किसान, हर युवा, हर उद्यमी और हर नागरिक की आकांक्षाओं का बजट है।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में हमारा सपना है कि विकसित भारत–एक ऐसा भारत हो जहाँ हर किसी के पास अवसर हो, हर उद्योग को बढ़ावा मिले और हर व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिले।

आइए, हम सब मिलकर इस विकास यात्रा का हिस्सा बनें और नए भारत के निर्माण में अपना योगदान दें।

माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ के कुशल नेतृत्व में उत्तर प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। विकसित उत्तर प्रदेश का आगामी 25 वर्षों का रोडमैप 2025–26 के बजट में साफ नजर आ रहा है। बजट में 28 हजार 478 करोड़ की नई योजनाओं पर व्यय का प्रावधान किया गया है।

इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट पर 22 प्रतिशत, शिक्षा पर 13 प्रतिशत, कृषि और सम्बद्ध सेवाओं हेतु 11 प्रतिशत, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में 6 प्रतिशत और सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों पर 4 प्रतिशत संसाधन आवंटित किए गए हैं।

वाराणसी, मेरठ, प्रयागराज, गोरखपुर, कानपुर नगर, झाँसी एवं आगरा में मुख्यमंत्री श्रमजीवी महिला छात्रावासों का निर्माण किया जाएगा। इसके लिए 170 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के लिए 700 करोड़ रुपये का प्रावधान है।

निराश्रित महिलाओं को पेंशन के लिए 2980 करोड़ की व्यवस्था की गई है।

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान पर 1000 करोड़ रूपये और मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना पर 225 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

गन्ना मूल्य के भुगतान के लिए 475 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है।

2017 से अब तक लगभग 46 लाख गन्ना किसानों को करीब 2,73,000 करोड़ रूपये का रिकार्ड भुगतान किया गया है।

यह 22 वर्षों के किए गए सम्मिलित गन्ना मूल्य भुगतान से 59,143 करोड़ रूपये अधिक है।

नहरों एवं सरकारी नलकूपों से किसानों को मुफ्त पानी की सुविधा हेतु 1300 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है।

बेसिक शिक्षा परिषद द्वारा संचालित प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में सुविधाओं के विकास के लिये 2000 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के आधारभूत ढांचे के विकास पर 479 करोड़ रुपये खर्च होंगे। 80 करोड़ से डिजिटल पुस्तकालयों की स्थापना की जाएगी।

लखनऊ में 25 करोड़ की राशि से सैनिक स्कूल का निर्माण किया जाएगा।

कॉलेज जाने वाली मेधावी छात्राओं को सरकार फ्री स्कूटी प्रदान करेगी। इसके लिए 400 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

विन्ध्यांचल धाम मण्डल में मां विन्ध्यवासिनी राज्य विश्वविद्यालय बनेगा।

200 करोड़ से प्रदेश में नॉर्थ साउथ कॉरिडोर का विकास किया जाएगा।

2900 करोड़ रुपये से राज्य राजमार्गों का चौड़ीकरण/सुदृढीकरण किया जाएगा।

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अन्तर्गत 3150 करोड़ रुपये योजना के विस्तार पर खर्च होंगे।

कान्हा गौशाला एवं बेसहारा पशु आश्रय योजना हेतु 450 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

अयोध्या शहर को मॉडल सोलर सिटी के रूप में विकसित किया जा रहा है। नोएडा और प्रदेश के 16 अन्य नगर निगमों को भी सोलर सिटी के रूप में विकसित किया जा रहा है।

मेरठ में स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी के निर्माण के लिए 223 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। वाराणसी में सिगरा स्टेडियम और पीपीपी मॉडल पर अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम का विकास किया जा रहा है।

मथुरा–वृन्दावन में श्री बांके बिहारी जी महाराज मन्दिर कॉरिडोर के निर्माण हेतु भूमि क्रय करने के लिये 100 करोड़ रुपये, निर्माण कार्य हेतु 50 करोड़ रुपये और पर्यटन सुविधाओं के विकास के लिए 125 करोड़ की व्यवस्था की गई है।

समावेशी विकसित भारत का बजट

केन्द्रीय बजट 2025 महाशक्ति बनते भारत का बजट है, आत्मनिर्भर भारत का इसमें झलक मिल रही है।

कर सुधार और मध्यम वर्ग को राहत

आयकर स्लैब में बदलाव किया गया है, जिससे लगभग 1 करोड़ लोग कर के दायरे से बाहर हो जाएंगे।

आयकर स्लैब को और अधिक संरचित किया गया है, जिससे मध्यवर्गीय परिवारों को बचत करने में मदद मिलेगी।

कृषि और ग्रामीण विकास

प्रधानमंत्री धन–धान्य कृषि योजना के तहत 1.7 करोड़ किसानों को लाभ मिलेगा।

दलहन आत्मनिर्भरता मिशन शुरू किया गया है, जिससे तूर, उड़द और मसूर की पैदावार बढ़ेगी।

बिहार में मखाना बोर्ड स्थापित किया जाएगा, जिससे स्थानीय किसानों को फायदा होगा।

ग्रामीण विकास मंत्रालय को 1.90 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

बुनियादी ढांचा और कनेक्टिविटी

सड़क परिवहन मंत्रालय को 2.87 लाख करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है।

UDAN योजना के तहत 120 नए गंतव्यों को जोड़ा जाएगा, जिससे अगले 10 वर्षों में 4 करोड़ अतिरिक्त यात्री लाभान्वित होंगे।

स्वास्थ्य और शिक्षा

अगले 5 वर्षों में 75,000 मेडिकल सीटें जोड़ी जाएंगी।

10,000 नए डे–केयर कैंसर सेंटर स्थापित किए जाएंगे।

5 नए **IITs** का विस्तार किया जाएगा, जिनमें **IIT Patna** पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

विज्ञान एवं तकनीकी मंत्रालय को 38,000 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है।

उद्योग और MSMEs के लिए प्रोत्साहन

MSMEs को 10,000 करोड़ रुपये का फंड दिया जाएगा, जिससे छोटे व्यवसायों को सहायता मिलेगी।

'मेक इन इंडिया' और विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रोत्साहन दिए गए हैं।

MSMEs के वर्गीकरण की सीमा बढ़ाकर निवेश और कारोबार की सीमा क्रमशः 2.5 गुना और 2 गुना कर दी गई है।

स्टार्टअप्स को 10,000 करोड़ रुपये का फंड मिलेगा, जिससे उद्यमिता को बढ़ावा मिलेगा।

रोजगार और स्टार्टअप्स

स्टार्टअप्स के लिए 10,000 करोड़ रुपये का फंड बनाया गया है।

5लाख महिलाओं और अनुसूचित जाति / जनजाति के उद्यमियों को 2 करोड़ रुपये तक का ऋण उपलब्ध कराया जाएगा।

डिजिटल और ग्रीन जॉब्स के लिए विशेष कार्यक्रम शुरू किए गए हैं।

कौशल विकास मंत्रालय को 6,100 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जिससे युवाओं के लिए नए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

ऊर्जा और पर्यावरण

नवीकरणीय ऊर्जा और हरित ऊर्जा परियोजनाओं में निवेश बढ़ाया गया है।

ऊर्जा मंत्रालय को 21,000 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है।

सौर और पवन ऊर्जा के क्षेत्र में नई योजनाएं लाई गई हैं, जिससे भारत की ऊर्जा आत्मनिर्भरता बढ़ेगी।

रक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा

रक्षा मंत्रालय को 6,81,210 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जो पिछले वर्ष की तुलना में अधिक है।

आधुनिक हथियार और टेक्नोलॉजी के लिए अतिरिक्त निवेश किया जाएगा।

सीमा सुरक्षा और साइबर सुरक्षा को मजबूत करने के लिए विशेष बजट रखा गया है।

डिजिटल इंडिया और अनुसंधान

विज्ञान और तकनीकी मंत्रालय को 38,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

भारत को 'वैश्विक खिलौना केंद्र' बनाने की योजना बनाई गई है।

भारत को 'वैश्विक खिलौना केंद्र' बनाने की योजना बनाई गई है।

डिजिटल पेमेंट और फिनटेक कंपनियों के लिए विशेष प्रोत्साहन दिए गए हैं।

अंतरिक्ष मंत्रालय को 13,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जिससे इसरो और नई स्पेस टेक्नोलॉजी को बढ़ावा मिलेगा।

सामाजिक और महिला सशक्तिकरण

कौशल विकास मंत्रालय को 6,100 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

महिलाओं, युवाओं और गरीबों के लिए कई योजनाओं को प्रोत्साहित किया गया है।

बजट 2025 में कर राहत, कृषि सुधार, बुनियादी ढांचे का विस्तार, स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार और स्टार्टअप्स को प्रोत्साहन जैसे कई सकारात्मक कदम उठाए गए हैं। इसका उद्देश्य समावेशी विकास को बढ़ावा देना और भारत को आत्मनिर्भर बनाना है।

व्यक्ति निर्माण के उत्प्रेरक थे रामकुमार जी : होसबाले

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पूर्वी उत्तर प्रदेश के पूर्व सह–क्षेत्र संघचालक रहे रामकुमारजी की श्रद्धांजलि सभा को सम्बोधित करते हुये संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय जी होसबाले ने कहा कि रामकुमारजी के लिये संघ का निर्णय ही सर्वोपरि था। वे संघ के हर कार्य को बड़ी निष्ठा के साथ करते थे। कार्यकर्ता निर्माण करने के लिये उनका जीवन एक आदर्श था। लम्बी बीमारी से जूझ रहे क्षेत्र के पूर्व सहक्षेत्र संघचालक रामकुमारजी का निधन 19 फरवरी को हुआ था।

निराला नगर स्थित सरस्वती शिशु मंदिर के सभागार में शुक्रवार को आयोजित श्रद्धांजलि सभा में सरकार्यवाह जी ने कहा कि जो जन्म लेता है उसे मरना ही होता है मगर जन्म से लेकर मृत्यु तक वह कैसी यात्रा करता है, दूसरों के लिए क्या छोड़कर जाता है यह जानना व समझना बहुत आवश्यक है। यहां बोलने वाले लोगों ने रामकुमारजी के व्यक्तित्व के विभिन्न अनुभव प्रस्तुत किये। यहां बोलने वाले लोगों को उनके साथ रहने का पर्याप्त अवसर मिला था लेकिन मेरा लखनऊ केन्द्र बनने के बाद उनसे मिलना–जुलना अधिक हुआ। वे एक अत्यधिक अनुशासनप्रिय स्वयंसेवक थे। जब साथी कार्यकर्ता अपने साथ वाले कार्यकर्ता की चिंता करते हैं तो वह सीखने वाला पाठ बन जाता है। रामकुमारजी जैसे तपस्वी कार्यकर्ताओं से ही संघ बना है। उनके समान कार्यकर्ताओं ने ही संघ को बनाया है। उन्होंने कहा कि देशभर में ऐसे ही श्रेष्ठ कार्यकर्ताओं ने अपनी गृहस्थी चलाते हुये संघ कार्य किया है। संघ में एक गीत गाया जाता है जिसकी पंक्ति है कि दिव्य ध्येय की ओर तपस्वी साधक बन कण–कण गलता है....गीत जैसे साधक बनकर रामकुमारजी ने अपने जीवन को कण–कण गलाया क्योंकि उन्होंने ऐसा शाश्वत व्रत लिया था।

जब संघ का गणवेश बदला तो हमने देखा कि वह भी बदला हुआ गणवेश पहनकर तैयार हैं। मैंने उन्हें सदैव धोती पहने ही देखा था। ऐसे में मैंने उनसे पूछा कि आपने इतनी आसानी से पैंट स्वीकार कर लिया जबकि कई बड़े कार्यकर्ता पैंट नहीं पहनना चाह रहे थे। ऐसे में रामकुमारजी ने कहा कि संघ ने कहा है तो करना है। उन्होंने दूसरा स्मरण सुनाते हुये कहा कि बाबा साहेब आप्टे जिन्हें संघ का पहला प्रचारक कहा जाता था वे कभी चाय नहीं पीते थे जबकि श्रीगुरूजी बिल्कुल गर्म चाय पीते थे। किसी कार्यकर्ता ने आप्टेजी से पूछा कि यदि श्रीगुरूजी ने चाय पीने के लिये कह दिया तो क्या करेंगे, तब आप्टेजी ने कहा कि श्रीगुरूजी कहेंगे तो मैं खुशी–खुशी जहर भी पी लूंगा। संघ जो भी कहेगा वह मैं करूंगा। ऐसे ही कार्यकर्ता थे रामकुमारजी। एक बार वे मुझे अपने पारिवारिक विवाह का निमंत्रण देने के लिये आये। उसी तिथि पर मेरा सुदूर प्रांत में प्रवास लगा था। मैं चाहकर भी नहीं आ सकता था। अतः मैं संकोच में था। मगर मैं कुछ कह नहीं पाया। ऐसे में उन्होंने मेरा संकोच भांप लिया और कहा कि यदि आप प्रवास पर हैं तो निश्चिंत होकर जाएं। संघ कार्य ही सबसे पहले करना है।

श्रद्धांजलि सभा

अखिल भारतीय प्रचारक प्रमुख एवं पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र के पालक स्वांत रंजन जी ने कहा कि एक लम्बा कालखंड उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में बिताया। उनकी उपस्थिति मात्र से ही कार्यक्रम अनुशासित हो जाया करते थे। उनकी जीवन की प्रत्येक स्मृति से ही स्वयंसेवकों को जीवन जीने का आदर्श प्राप्त हो जाया करता है। आज हम सब अपने इस क्षेत्र के पूर्व सह क्षेत्र संघचालक जी की श्रद्धांजलि सभा के लिये आमंत्रित हैं। रामकुमारजी का जीवन एक आदर्श स्वयंसेवक के नाते सभी के लिये अनुकरणीय है। प्रारम्भिक शिक्षा उन्होंने अपने ग्राम से ही प्राप्त की। लखनऊ से स्नातकोत्तर की परीक्षा पास करने के बाद उन्होंने वाराणसी से एलटी किया और प्राध्यापक बन गये। सीतापुर के एक विद्यालय से उन्होंने अपना शिक्षक जीवन आरम्भ किया। वे बचपन से ही स्वयंसेवक रहे थे। उन्होंने संघ के विभिन्न पदों का दायित्व निभाया। 1996 में वे प्रांत के सह प्रांत कार्यवाह बने। उस समय मैं भी अवध प्रांत में सह प्रांत प्रचारक बना था। ऐसे में मुझे उनका भरपूर सानिध्य मिला। राम जन्मभूमि आंदोलन जब शुरू हुआ तो एक सभा का आयोजन किया गया था, उसमें भी वे उपस्थित रहे। जब संघ पर प्रतिबंध लगा तो वे जेल में भी रहे। चूंकि जेलर को यह ज्ञात था कि वे एक कुशल अध्यापक हैं तो वह अपने बच्चों को पढ़ाने के लिये उन्हें एक घंटे का समय देकर अपने

घर भेज देता था। डा वीरेंद्र जायसवाल जी ने कहा कि एक बार एक कार्यक्रम में जाने के लिये मुझे सूचना दी गयी। उसी समय मेरे करीबी का विवाह था। मैंने सोचा कि एक बार रामकुमारजी से निवेदन करके अवकाश मांग लूं। ऐसा सोचकर मैं उनके पास गया मगर मैंने देखा कि रात 11 बजे भी वह अपने कार्य में तल्लीनता से लगे हुये थे। ऐसे में मेरी हिम्मत ही नहीं हुई कि मैं उनसे छुट्टी मांग सकूं। उन्होंने कहा कि रामकुमारजी का आचरण ही ऐसा था कि उन्हें देखकर ही स्वयंसेवकों को राह मिल जाती थी। मुझे चिंता में देखकर वे कहते थे कि वीरेंद्र जी एकदम चिंता मत कीजिये। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि आज रामकुमारजी हम सबके मध्य नहीं हैं। मगर वे सदा हम सबके द्वारा याद किये जाएंगे। उनकी जीवन यात्रा बहुत लम्बी है। रामकुमारजी के विषय में मैं यही कहूंगा कि उनका जीवन एक पुस्तक के समान है। उस पुस्तक को मैं तीन–चैथाई पढ़ चुका हूं। एक समय मैं संघ के कार्य से सुबह से उनके साथ अपनी मोटरसाइकिल से जा रहा था। दोपहर के समय मैंने उनसे पूछा कि आपने तो आज कहीं भोजन की व्यवस्था ही नहीं करवाई तो वे बोले ग्रामीण क्षेत्र में ही सारे कार्यक्रम थे। ऐसे में यदि कहीं भी भोजन की व्यवस्था की जाती तो ग्रामीण परिवेश के अनुसार वहां कई लोगों का भोजन बनता। काफी समय बीत जाता। संघ का कार्य होना आवश्यक है। अतः मैंने भोजन की व्यवस्था नहीं करवाई। संघ के ऐसे महान स्वयंसेवक को मैं नमन करता हूं।

'गृहस्थ कार्यकर्ता होने के साथ ही अखण्ड प्रवासी'

मजदूर संघ के अनुपम जी ने श्रद्धांजलि देते हुये कहा कि बौद्धिक एवं बातचीत में भी उनकी निडरता स्पष्ट झलकती थी। रामकुमारजी की संघ प्रार्थना कभी नहीं छूटती थी। वे गृहस्थ कार्यकर्ता होने के साथ ही अखण्ड प्रवासी थे। वे सदा कठोर अनुशासन में जीते थे।

'हर कार्य के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और निष्ठा हम सबके लिये एक सीख'

एबीवीपी के अध्यक्ष राजशरण शाही जी ने कहा कि एक कार्यकर्ता को कुछ भी सिखाने के लिये वे अच्छा उदाहरण थे। वे हर कार्य बड़ी गम्भीरता के साथ करते थे। हर कार्य के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और निष्ठा हम सबके लिये एक सीख होती थी। उनका जाना इस विचार संगठन के लिये अपूर्णनीय क्षति है।

'उनका जीवन पाथेय हम सबकी प्रेरणा'

राष्ट्रधर्म पत्रिका के निदेशक एवं पूर्वी उत्तर प्रदेश के सह क्षेत्र प्रचार प्रमुख मनोजकान्त जी ने कहा कि रामकुमारजी से मेरा सम्पर्क 1996 में हुआ था। उसके बाद उनसे मेरा निरंतर सम्पर्क रहा। वे जब भी मिलते तो मुझसे एबीवीपी के बारे में सारी सूचना लेते थे। वे संघ की सभी आनुषांगिक संगठनों की भी पूरी चिंता करते थे।

'स्वयंसेवकों को पीड़ा में देखकर उसका निदान करते'

सह संगठन मंत्री इतिहास संकलन योजना के संजय श्रीहर्ष जी ने कहा कि मैं सदैव उन्हें मास्टर साहब ही कहा करता था। वह मुझे हर छोटी–बड़ी बात के लिये टोकते और कार्य सिखाते थे।

कार्यक्रम में

क्षेत्र प्रचारक अनिल जी, सह क्षेत्र कार्यवाह अनिल श्रीवास्तव जी, अवध प्रांत प्रचारक कौशल जी, काशी प्रांत प्रचारक रमेश जी, प्रांत संघचालक सरदार स्वर्ण सिंह, प्रांत कार्यवाह प्रशांत शुक्ला, क्षेत्र शारीरिक प्रमुख अखिलेश जी, क्षेत्र प्रचारक प्रमुख राजेन्द्र जी, सह प्रांत प्रचारक संजयजी, प्रांत सम्पर्क प्रमुख गंगा सिंह, मंत्री असीम अरूण, मंत्री दयाशंकर सिंह, ओएसडी सीएम डा श्रवण बघेल एवं संजीव सिंह, एमएलसी अनूप गुप्ता, एमएलसी अवनीश सिंह, महिला आयोग की अध्यक्ष अपर्णा यादव, पूर्व महापौर संयुक्ता भाटिया, कल्याण सिंह कैंसर संस्थान के निदेशक एमएलबी भट्ट, शकुंतला विश्वविद्यालय के कुलपति संजय सिंह, विधायक नीरज बोरा, भाजपा प्रदेश महामंत्री संजय राय आदि गणमान्यों ने स्वर्गीय रामकुमारजी को पुष्प अर्पित किये।

काशी तमिल संगमम्
श्री योगी आदित्यनाथ
श्री धर्मेन्द्र प्रधान
डॉ. एल. मुरुगन
15 फरवरी 2025

श्री योगी आदित्यनाथ
श्री धर्मेन्द्र प्रधान
डॉ. एल. मुरुगन
15 फरवरी 2025

पत्रिका पंजीकरण – RNI-51899/91, शीर्षक कोड: UPHIN16701, डाक पंजीकरण – SSP/LW/NP-117-2024-26
फरवरी द्वितीय अंक 2025 –प्रेषित डाकघर –R.M.S. चारबाग, लखनऊ –प्रेषण तिथि : 26–29 (द्वितीय पाक्षिक)

भारतीय जनता पार्टी के लिए मुद्रक तथा प्रकाशक प्रो. श्यामनन्दन सिंह द्वारा नूतन ऑफसेट मुद्रण केन्द्र, संस्कृति भवन, राजेन्द्र नगर, लखनऊ से मुद्रित व भाजपा कार्यालय, 7, विधानसभा मार्ग, लखनऊ से प्रकाशित।